@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

मंगलवार, 14 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 250 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए मांगे आवेदन

• 18 जुलाई आखिरी तारीख

एजेंसी

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास) ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए योग्य और इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। आवेदन भेजने की आखिरी तारीख 18 जुलाई (शनिवार) सायं 4 बजे तक निर्धारित की गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास) के अनुसार, यह नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। हालांकि, इसे संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। चयनित अधिकारी की पदस्थापना अयोध्या में होगी, जबकि वेतन और अन्य सुविधाएं आपसी सहमति से निर्धारित की जाएंगी। ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए पात्रता की शर्तें भी रखी हैं। अभ्यर्थी का कम से कम स्नातक होना जरूरी है। उम्र 50 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। साथ ही, किसी बड़े सार्वजनिक संगठन, संस्था, विभाग या कंपनी में कम से कम 20 साल का प्रबंधकीय अनुभव होना अनिवार्य है। यह अनुभव सामान्य प्रशासन, वित्त, लेखा, कार्मिक, जनसंपर्क, आईटी, सुरक्षा और विधि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के समन्वय और नेतृत्व का होना चाहिए। अभ्यर्थी का सक्रिय हिंदू होना अनिवार्य है, जबकि श्रीरामभक्त वैष्णव होने को वांछनीय माना गया है। इसके अलावा, हिंदी और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना भी जरूरी है। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अथवा मंदिर या हिंदू धार्मिक संस्था के प्रबंधन का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि अनुभव, कौशल और क्षमता वाले सेवानिवृत्त अधिकारी भी आवेदन कर सकते हैं।

काशी, मथुरा और संभल विवाद

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया

कहा- केस लड़कर फैसला चाहते हैं

एजेंसी

अयोध्या । यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है।

विवाद क्या है: वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहां मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

हिंदू पक्ष की मांग

- ज्ञानवापी परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए।
- मस्जिद परिसर में नियमित पूजा की अनुमति मिले।
- परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए।

मुस्लिम पक्ष की मांग

- ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बरकरार रखा जाए।
- पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत नए दावों को खारिज किया जाए।
- मस्जिद में मुस्लिमों के नमाज के अधिकार सुरक्षित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा 17 जुलाई को, चंडीगढ़-जालंधर में बम धमाकों की धमकी

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चंडीगढ़ और पंजाब दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। चंडीगढ़ और मोहाली के कई स्कूलों को एक बार फिर धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। इसमें 17 जुलाई को चंडीगढ़ और जालंधर में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने की धमकी दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को पंजाब आयेंगे और जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। इसके पहले धमकी भरे ई-मेल में चंडीगढ़ और मोहाली के स्कूलों के अलावा मोहाली मेयर कार्यालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। इसके साथ ही जालंधर और चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर आईईडी धमाके करने की धमकी दी गई है। ई-मेल में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। साथ ही पंजाब के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है।

गुजरात में एनएफएसयू सहित अमित शाह के कई कार्यक्रम स्थगित

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में सोमवार को आयोजित होने वाली इंटरपोल डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट ग्रुप (डीएफइजी) की 11वीं बैठक के उद्घाटन समारोह सहित कई कार्यक्रम राष्ट्रीय शोक के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भारत सरकार ने 13 जुलाई को एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इस कारण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाले कई कार्यक्रम और लोकार्पण समारोह स्थगित किए गए हैं। कार्यक्रम की नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। इस संबंध में मीडिया प्रतिनिधियों से सोमवार को एनएफएसयू, गांधीनगर नहीं पहुंचने का अनुरोध किया गया है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में पांच महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण प्रस्तावित था।

भाजपा ने उमर अब्दुल्ला के बयान को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विरोध प्रदर्शन करने के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने सोमवार को मीडिया को जारी एक बयान कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए किसी विदेशी नेता का नाम लेना उमर अब्दुल्ला की एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और गलत कोशिश है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इससे जुड़े किसी भी मामले का समाधान पूरी तरह से भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दायरे में ही होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कई बार राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है। चुग ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र, विकास, पर्यटन और सुशासन का एक नया दौर शुरू हुआ है। यह क्षेत्र विकास के नए आयाम छू रहा है। ये मोदी सरकार द्वारा स्थापित सेवा और विकास के बेहतरीन उदाहरण हैं। चुग ने कहा कि दूसरी ओर, जो लोग अपने ही घोषणापत्र से मुकर गए, हर मोर्चे पर विफल रहे और अपने वादे पूरे नहीं किए, वे अब जनता का ध्यान भटकाने के लिए झूठ का सहारा ले रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक परिवारवाद और अलगाववाद की राजनीति के जरिए जनता को गुमराह किया।

रामलला के चढ़ावे का दुरुपयोग हुआ, ट्रस्ट को भंग कर धर्माचार्यों को सौंपा जाए: अजय राय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित दान चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर के सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया, कांग्रेस नेता इमरान मसूद के बयान और यूपी चुनाव में कांग्रेस-सपा के बीच गठबंधन को लेकर प्रतिक्रिया दी। राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने ट्रस्ट को भंग करने की मांग की। अजय राय ने इस बात पर जोर दिया कि धर्माचार्यों और अयोध्यावासियों की देखरेख में मंदिर का संचालन होना चाहिए। अयोध्या में कथित दान चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर अजय राय ने कहा कि भगवान राम के नाम पर मिले चढ़ावे का दुरुपयोग किया गया है।

मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा भारत : राजनाथ

• 'पिछले 12 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला'

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और मेडिकल रिसर्च में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। पहले गंभीर बीमारियों के इलाज में लोगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो जाती थी, लेकिन अब आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को निशुल्क इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल इलाज उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाना भी रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का स्वास्थ्य तंत्र पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर, सुलभ, किफायती, आधुनिक और जन-केंद्रित बना है। राजनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा दो एम्स भी कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश अब वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा से भी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तभी बेहतर हो सकती है, जब पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और विशेषज्ञ उपलब्ध हों। इसी सोच के साथ सरकार ने मेडिकल शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार किया है।

आज भारत जीन थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के स्वदेशी समाधान विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया के उपचार के लिए स्वदेशी जीन थेरेपी का सफल प्रदर्शन किया है, जबकि पुणे के एक संस्थान ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक नैनो मेडिसिन विकसित की है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान केवल इलाज पर नहीं, बल्कि बीमारियों की रोकथाम पर भी केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री ने अंगदान को मानवता के लिए सबसे बड़ा उपहार बताया।

'उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके अंग कई लोगों को नया जीवन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में आज भी अंगदान को लेकर कई भ्रांतियां और झिझक हैं, जिन्हें दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है।'

• सतलुज फिल्म पर विवाद गहराया

बिट्टू ने निर्माताओं से मांगे 25 हजार लापता लोगों के दस्तावेजी साक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर अपना विरोध और तेज करते हुए फिल्म निर्माता एवं निर्देशक को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दावा किए गए पंजाब में आतंकवाद के दौर में 25,000 लोग लापता हुए, तो इसके समर्थन में सभी दस्तावेजी साक्ष्य और आधिकारिक रिकॉर्ड जनता के सामने प्रस्तुत किए जाएं। बट्टू ने स्पष्ट कहा कि यदि फिल्म निर्माता अपने दावों को प्रमाणित कर देते हैं, तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए तैयार हैं, लेकिन यदि ऐसे प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए जाते तो वह इस मामले में आगे की कार्रवाई करेंगे।

रवनीत सिंह बिट्टू ने सोमवार को यहां रेल भवन में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि फिल्म में पंजाब के आतंकवाद के दौर के इतिहास को एकतरफा दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में केवल एक पक्ष को प्रमुखता दी गई है, जबकि उस दौर में आतंकवाद का शिकार हुए हजारों निर्दोष लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज किया गया है। बिट्टू ने सवाल उठाया कि यदि इतिहास को दिखाया जा रहा है तो उसमें उन निर्दोष हिंदुओं, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों और आम नागरिकों के नरसंहार को क्यों नहीं दिखाया गया।

बांकीपुर उपचुनाव: प्रशांत किशोर ने भरा नामांकन

बोले- यह मेरा नहीं, बिहार के बेहतर भविष्य का नॉमिनेशन

एजेंसी

पटना । जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले उन्होंने स्काउट एवं गाइड मैदान से समाहरणालय तक पदयात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय लोग शामिल हुए। पदयात्रा स्काउट एवं गाइड मैदान से शुरू होकर कोतवाली थाना, डाकबंगला चौराहा, एसपी वर्मा रोड, जेपी गोलंबर और गांधी मैदान होते हुए समाहरणालय पहुंची। इस दौरान समर्थकों ने 'लड़ेंगे बांकीपुर, जीतेंगे बांकीपुर' सहित विभिन्न नारे लगाए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत भी किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत नामांकन नहीं, बल्कि बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है। उन्होंने कहा, 'यह मेरा नामांकन नहीं है, बिहार में बदलती हुई तस्वीर का नामांकन है। यह बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है और बिहार में अपराधी लोगों को कुर्सी छोड़ने का आह्वान है। यह बदलाव की शुरुआत है।' उन्होंने कहा कि बांकीपुर किसी पार्टी या नेता का गढ़ नहीं, बल्कि यहां की जनता का गढ़ है। जनता ही तय करेगी कि इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। उनके अनुसार यह उपचुनाव सिर्फ एक विधायक चुनने का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार में नेतृत्व परिवर्तन का अवसर है।

बांकीपुर उपचुनाव : नामांकन के बाद जेजेडी प्रत्याशी वीणा मानवी गिरफ्तार

पटना। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) की प्रत्याशी वीणा मानवी को सोमवार को नामांकन दाखिल करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि उनकी गिरफ्तारी एक लंबित मामले में जारी वारंट के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के बाद जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी की प्रत्याशी को झूठे मामले में फंसाकर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है।

मांजलपुर उपचुनाव

भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल ने भरा नामांकन

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा की मांजलपुर विधानसभा सीट से सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सतीश पटेल ने गुजरात प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले भाजपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इसके बाद सतीश पटेल ने जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए उपचुनाव में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया।

मांजलपुर उपचुनाव : कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी ने भरा नामांकन

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा की मांजलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा के बाद अब कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी ने भी सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। इससे पहले कांग्रेस की ओर से शक्ति प्रदर्शन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं में चुनाव को लेकर उत्साह देखने को मिला।

7 दिन में फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून

अभी राजस्थान-गुजरात समेत कई राज्यों में कमजोर | **यूपी-बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट**

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। 2 नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हैं। स्यानाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे रविवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। हरियाणा में हिमाचल से आ रहे पानी के कारण यमुना और मारकंडा नदी में पानी बढ़ गया है। इससे कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज: शाह-यादव से जुड़ी घटनाओं से हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में कैबिनेट विस्तार या बड़े राजनीतिक फैसलों का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि उनकी रणनीतिक योजनाएं अत्यंत गोपनीय रहती हैं। हालांकि, हाल की दो घटनाओं ने मानसून सत्र से पहले संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को हवा दी है।

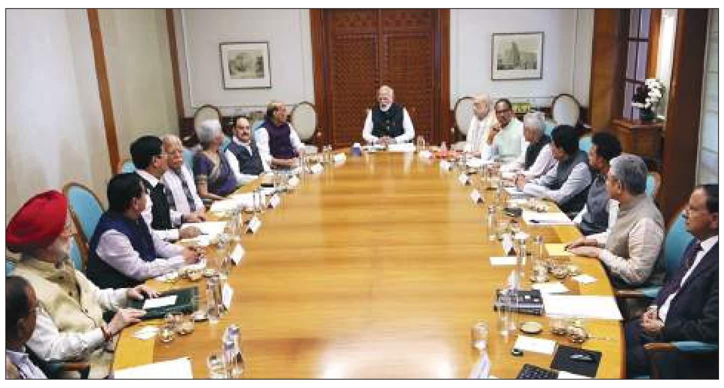

पहली घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निवर्तमान डायरेक्टर तपन डेका के सम्मान में आयोजित डिनर है। एक दुर्लभ सार्वजनिक कदम उठाकर केंद्रीय मंत्री शाह ने एक्स पर डेका की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। इससे अटकलें हैं कि डेका को सेवानिवृत्ति के बाद जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे वर्तमान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ती है।

दूसरी अहम घटना केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अचानक हुए प्रशासनिक फेरबदल से जुड़ी है, जिसमें उनके चार अहम निजी सहयोगियों को हटाया गया। केंद्रीय मंत्री यादव को बीजेपी के प्रमुख रणनीतिकार और संगठन से जुड़े अहम व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जिनका प्रभाव उनकी मंत्री पद की जिम्मेदारियों से कहीं अधिक है। इस अप्रत्याशित कदम ने राजनीतिक और नौकरशाही हलकों में हलचल मचा दी है। विपक्षी कांग्रेस ने, पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के नेतृत्व में, सरकार पर कुशासन और यादव के मंत्रालय में बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। यह घटना किसी बड़े बदलाव का संकेत है या मात्र एक प्रशासनिक कदम, यह देखना बाकी है, लेकिन इससे यादव को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि संसद के मॉनसून सत्र (20 जुलाई से पहले) में कैबिनेट में फेरबदल की संभावना कम है। सरकार का मुख्य ध्यान विधायी कार्यों पर है और प्रधानमंत्री का शेड्यूल भी बहुत व्यस्त है। 20 जुलाई से पहले विस्तार होने पर नए मंत्रियों के पास सत्र की तैयारी के लिए कम समय होगा। इसके बावजूद, सत्र से ठीक पहले भी फेरबदल के उदाहरण रहे हैं, जैसे जुलाई 2021 में कई वरिष्ठ मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को शामिल किया गया था।

बीएसएफ की सतर्कता से कठुआ में नाकाम हुई घुसपैठ की कोशिश

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए की भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ की चेतावनी और चेतावनी स्वरूप की गई फायरिंग के बाद घुसपैठिया वापस पाकिस्तान की ओर भाग गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार शाम कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर के बोबिया क्षेत्र में बीएसएफ के जवान नियमित निगरानी के दौरान सीमा पर संदिग्ध गतिविधि देख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र की ओर बढ़ने का प्रयास करते हुए देखा गया। जवानों ने तत्काल उसे रुकने की चेतावनी दी। बताया गया कि चेतावनी के बावजूद संदिग्ध व्यक्ति सीमा पर लगी सुरक्षा बाड़ की ओर लगातार बढ़ता रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए चेतावनी स्वरूप कुछ गोलियां चलाईं। फायरिंग की आवाज सुनते ही घुसपैठिया घबरा गया और तुरंत वापस पाकिस्तान की ओर भाग निकला। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई। बीएसएफ ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है तथा आसपास के क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी अन्य घुसपैठ की कोशिश या संदिग्ध गतिविधि की संभावना न रहे। सुरक्षा एजेंसियां घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में समय-समय पर घुसपैठ की कोशिशें होती रही हैं, जिन्हें बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बल अपनी सतर्कता और प्रभावी निगरानी के जरिए लगातार विफल करते रहे हैं। इस ताजा घटना ने एक बार फिर सीमा पर तैनात जवानों की मुस्तैदी और त्वरित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया है।

कमजोर पड़ा मानसून, 372 जिले बारिश की कमी से प्रभावित ; खरीफ फसलों पर बढ़ा संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है, जिससे कृषि क्षेत्र की चिंता बढ़ गई है। ताजा स्थिति के अनुसार देश के 372 जिले सामान्य से कम वर्षा की मार झेल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर वर्षा की कमी बढ़कर 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कमजोर बारिश का सबसे अधिक असर खरीफ फसलों की बुआई पर पड़ रहा है और किसानों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्थिति को गंभीर मानते हुए 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक करने का फैसला किया है। बैठक में वर्षा की कमी वाले क्षेत्रों की स्थिति, फसलों पर पड़ रहे प्रभाव और किसानों को राहत देने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्यों को वैकल्पिक फसलें अपनाने और कृषि सलाह को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। बारिश में कमी के कारण धान, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बुआई पिछले वर्ष की तुलना में पीछे चल रही है। कृषि मंत्रालय लगातार राज्यों से जानकारी जुटा रहा है और हालात पर नजर बनाए हुए है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है, लेकिन इससे पूरे देश में वर्षा की कमी की भरपाई होने की उम्मीद कम है। सरकार का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वर्षा की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित राज्यों को अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कमजोर मानसून का असर खेती और खाद्य उत्पादन पर न्यूनतम रहे।

सुप्रीम कोर्ट में छलका सहारा निवेशक का दर्द, महिला बोली- पति की मौत हो गई, अब तो हमारी जमा पूंजी दिला दीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सहारा समूह में वर्षों पहले निवेश करने वाले लाखों लोगों की उम्मीदें एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में लगी रहीं। सुनवाई के दौरान एक महिला निवेशक भावुक हो गई और अदालत से हाथ जोड़कर अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की गुहार लगाई। महिला ने कहा कि उसके पति का निधन हो चुका है और परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उसने अदालत से कहा कि जीवनभर की बचत सहारा में फंसी हुई है, अब न्याय दिलाया जाए। महिला की भावुक अपील सुनकर अदालत ने उसकी बात सुनी और कहा कि ऐसे मामलों में निवेशकों की परेशानी को समझा जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सहारा से जुड़े मामलों और निवेशकों के भुगतान की प्रक्रिया पर पहले से सुनवाई चल रही है तथा इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सहारा प्रकरण लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में है। वर्ष 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह की दो कंपनियों को निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश दिया था। इसके बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा राशि से पात्र निवेशकों को भुगतान की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन बड़ी संख्या में निवेशक अब भी अपनी रकम मिलने का इंतजार कर रहे हैं। मौजूदा सुनवाई के दौरान अदालत के सामने निवेशकों की परेशानियां फिर प्रमुखता से सामने आईं। अदालत ने संकेत दिया कि लंबित मामलों के साथ निवेशकों के हितों पर भी विचार किया जाएगा। सहारा में निवेश करने वाले लाखों लोगों की नजर अब अदालत के अगले आदेश पर टिकी है, जिससे वर्षों से फंसी उनकी मेहनत की कमाई वापस मिलने की उम्मीद बनी हुई है।

फडणवीस बने महाराष्ट्र के तीसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम, शरद पवार का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई (एजेंसी)।(महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। वे तीन कार्यकालों को मिलाकर अब राज्य में तीसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने वाले नेता बने हैं। इस मामले में उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार के कुल कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, सीएम फडणवीस कुल 2,430 दिनों (लगभग छह साल और सात महीने) तक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जबकि पवार ने चार अलग-अलग कार्यकालों में कुल 2,412 दिनों तक राज्य की कमान संभाली थी।

डीएम कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर में सघन तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी भरे संदेश के मिलते ही प्रशासनिक महकमे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आई और अधिकारियों व आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षा के तय मानकों के तहत आनन-फानन में बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड और एंटी-सबोटेज टीमों को मौके पर बुलाया गया। इन संयुक्त सुरक्षा एजेंसियों ने डीएम कार्यालय की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अब तक की जांच में परिसर के भीतर कोई भी संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है। हालांकि, एहतियात के तौर पर पूरे कार्यालय और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, पुलिस की साइबर सेल ने धमकी भरे ईमेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। डिजिटल सबूतों और आईपी एड्रेस को खंगाला जा रहा है, ताकि पता लगा सके कि यह ईमेल कहां से भेजा गया था और इसके पीछे किसका हाथ है। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से एक मानसिक रूप से बीमार युवक को गिरफ्तार किया था, जिसने इसरो और एनआईए जैसे प्रमुख संस्थानों को ऐसी ही झूठी धमकियां भेजी थीं। फिलहाल, पुलिस इस मामले को भी गंभीरता से लेकर हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

बद्रीनाथ दान चोरी: एसआईटी ने प्रमोद नौटियाल को किया गिरफ्तार

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान की धनराशि में हुई गंभीर गड़बड़ी के मामले में आखिरकार बड़ी कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में जांच कर रही एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आरोपी अधिकारी प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी की टीम ने प्रमोद नौटियाल को बीते 12 जुलाई की रात लगभग ८:०० बजे देहरादून से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद नौटियाल को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बद्रीनाथ लाया गया है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ धाम में दान के पैसों में हेराफेरी का यह संवेदनशील मामला बीते 2 जुलाई को पहली बार प्रकाश में आया था, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए थे।

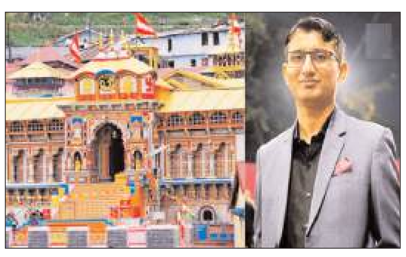

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसआईटी अब अन्य संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है और आने वाले समय में इस प्रकरण में कई और लोगों पर भी शिकंजा कसने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, इस पूरे विवाद की आंतरिक जांच कर रही बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की एक चार सदस्यीय टीम भी आज अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस टीम ने बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा और दान की धनराशि में हुई कथित गड़बड़ी की गहराई से पड़ताल की है। बीकेटीसी की यह विस्तृत रिपोर्ट सीसीटीवी फुटेज और संबंधित कर्मचारियों के लिखित बयानों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर आधारित होगी। यह प्रकरण विशेष रूप से बीते 2 जुलाई को चढ़ावा गणना के दौरान हुई हेरफेर से संबंधित बताया जा रहा है, जिसने मंदिर की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक कथित लेटर तेजी से वायरल हो गया। इस लेटर के सामने आते ही पूरे देवभूमि उत्तराखंड में बवाल मच गया और विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया था। वायरल हुए इस लेटर में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारियों पर मंदिर के भीतर आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में हेरफेर करने के बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस पावन धाम में कथित गड़बड़ी की खबर आग की तरह फैलते ही तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय हक-हकूकधारियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में जबरदस्त उबाल आ गया था। श्रद्धालुओं के बीच भी यह खबर चिंता का विषय बन गई थी। एसआईटी द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि जांच एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब सबकी निगाहें बीकेटीसी की रिपोर्ट और एसआईटी की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं, यह देखना होगा कि इस बड़े घोटाले में और कितने नाम सामने आते हैं और न्याय कब तक मिल पाता है।

ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा साबित हुआ खोखला

-भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने देश में उजागर हो रहे विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2014 में दिया गया ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा वास्तविकता में खोखला साबित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल खड़े होते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि मई 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन समय के साथ यह दावा खोखला साबित हुआ। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा जैसी बन गई है।

कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नोटबंदी पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने इसे संगठित लूट और कानूनी रूप से वैध ठहराई गई लूट बताया था। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) का ओएनजीसी में विलय कर कथित वित्तीय अनियमितताओं को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को भी निशाने पर लेते हुए इसे चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था करार दिया और आरोप लगाया कि इससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।

जारी विभिन्न रिपोर्टों का दिया हवाला

कांग्रेस ने अदाणी समूह, राफेल सौदे, पीएम केयर्स फंड तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने दावा किया कि हाल के सप्ताहों में सामने आए कई मामलों ने सरकार की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे के कथित दुरुपयोग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पर रिश्तेदारों को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप, विपक्षी दलों के नेताओं को वित्तीय प्रलोभन देकर दल बदल कराने, एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा सरकारी योजना की सब्सिडी लेने तथा पर्यावरण मंत्रालय में अधिकारियों के तबादलों जैसे मुद्दों का भी उल्लेख किया।

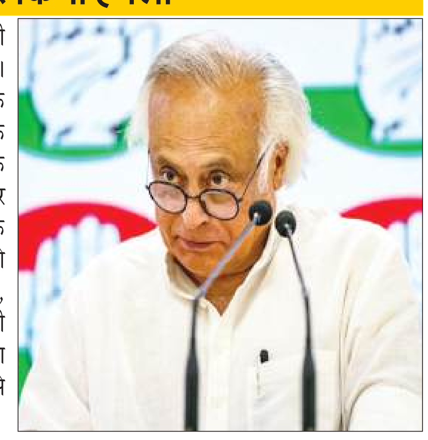

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से प्रभावित हुई है, जिससे करोड़ों छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कांग्रेस ने इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा केंद्र सरकार से जवाब देने की मांग की है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद: शुभेंदु अधिकारी का बयान, राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता एयरपोर्ट के भीतर स्थित पुरानी मस्जिद में सामूहिक नमाज़ पर रोक लगाने और उसके प्रस्तावित स्थानांतरण को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान तेज हुआ है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताकर अपना रुख साफकिया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक स्वतंत्रता का बचाव किया है। सीएम अधिकारी ने विवाद पर टिप्पणी कर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि चीन और बांग्लादेश जैसे संवेदनशील पड़ोसी देशों के करीब स्थित भू-रणनीतिक महत्व के इंस्टॉलेशन (एयरपोर्ट) के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते। सीएम अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को अन्य सभी चीजों से ज़्यादा प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, सीएम सुवेंदु ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों में बाधा डालती है। उन्होंने कहा, हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने उदाहरण देकर बताया कि बकरीद (ईद-उल-अज़हा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन कर मनाई गई और मुहर्रम बिना हथियार लहराए शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, जिससे कोई समस्या नहीं हुई। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने नागरिकों से कानून का पालन करने और धर्म को एक निजी मामले के रूप में देखने का आग्रह किया, ताकि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहे।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मस्जिद को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कदम ज़रूरी है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जबकि उनकी मौजूदा सरकार ऐसी राजनीति में विश्वास नहीं रखती और मस्जिद को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने बांकरा मस्जिद में प्रवेश पर अनिश्चितकालीन रोक और उसके स्थानांतरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। ममता के नेता रॉय ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की सहमति के बिना मस्जिद के संबंध में कोई भी निर्णय नहीं होना चाहिए।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने शनिवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बांकरा मस्जिद (जिसे गौरीपुर जामा मस्जिद भी कहा जाता है) को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंदर मौजूद मस्जिद में मरम्मत कार्य के चलते तीन दिनों के लिए नमाज़ रोक दी गई है। माना जाता है कि 130 साल से भी ज़्यादा पुरानी यह मस्जिद एयरपोर्ट के निर्माण से भी पहले से मौजूद है और यह एयरपोर्ट के सेकेंडरी रनवे से करीब 165 मीटर की दूरी पर स्थित है।

पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से पहले खालिस्तानी हुए सक्रिए

भोपाल (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा से पहले राज्य में खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता चिंता का विषय बन गई है। संभावना है कि प्रधानमंत्री 15 और 17 जुलाई के बीच पंजाब का दौरा कर सकते हैं, जिसमें लुधियाना और जालंधर में कार्यक्रम और चंडीगढ़ में कई विकास कार्यों का उद्घाटन शामिल है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिल्ली जा रही एक ट्रेन पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह ट्रेन फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर थी और इस वीडियो को अलगाववादी समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पोस्ट किया था। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकती है, लेकिन घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गए हैं।

पन्नू ने अपने वीडियो में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का नाम भी लिया है, जो अपनी फिल्म सतलुज के कारण इन दिनों फिर से चर्चा में हैं। पन्नू ने पीएम मोदी की आगामी यात्रा के दौरान खालिस्तानी झंडे दिखाने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने दावा किया है कि खालड़ा ने 90 के दशक में अज्ञात शवों से जुड़े मामलों के दस्तावेज तैयार किए थे, जो मानवाधिकार उल्लंघन के एक पैटर्न को दर्शाते हैं। इस बीच, अधिकारियों ने फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है ताकि ट्रेन पर नारे लिखने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके। पुलिस मौका-ए-वारदात से फॉरेंसिक सबूत भी जुटा रही है और पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज भी विवादों के केंद्र में है। इस फिल्म का शीर्षक पहले पंजाब 95 था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1984 और 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के गैर-कानूनी ढंग से किए गए अंतिम संस्कार की जांच की थी। इसे 3 जुलाई को रिलीज होने के दो दिन बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से हटा दिया गया था, क्योंकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की थीं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म निर्माताओं पर विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करने का आरोप लगाया है। बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, ने कहा कि पंजाब का दर्दनाक अतीत कोई ऐसी पटकथा नहीं है जिसे किसी विमर्श के हिसाब से चुनिंदा ढंग से संपादित किया जा सके। उन्होंने फिल्म निर्माताओं को 25,000 लोगों के लापता होने या उन्हें गैर-कानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के सभी दस्तावेजी सबूत, सरकारी रिकॉर्ड और न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक करने की चुनौती दी है, जैसा कि फिल्म में दर्शाया गया है। यह विवाद और खालिस्तानी तत्वों की सक्रियता प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले राज्य में सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

राजभर का अखिलेश पर तीखा हमला, सपा शासन गुंडागर्दी और जातीय हिंसा का दौर

- कहा- सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा था ; और घटनाओं को भी जनता के सामने लाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पूर्ववर्ती शासन पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव के कार्यकाल को गुंडागर्दी, अराजकता और जातीय हिंसा का खौफनाक दौर करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे अपने पोस्ट में सपा शासनकाल की दो चर्चित जघन्य घटनाओं - बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म और बदायूं में दलित बहनों के बलात्कार एवं हत्या - का विशेष रूप से जिक्र किया। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ था और उन्होंने ऐसी अन्य घटनाओं को भी जनता के सामने लाने की बात कही। राजभर ने अपने बयान की शुरुआत एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा ?कि अखिलेश यादव दो दिन पहले आपके लोगों की गुंडई देखकर मुझे आपके कार्यकाल की सपाई गुंडागर्दी, अराजकता और आतंक का खौफनाक दौर याद दिला दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कर्म और कांड आज भी उनकी आंखों के सामने तैरने लगते हैं। मंत्री राजभर ने 2016 की बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म घटना का उल्लेख किया, जिसमें दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर एक मां और उसकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था। उन्होंने मां की मार्मिक गुहार का भी जिक्र किया और तत्कालीन रामपुर के सपा नेता आजम खान के उस घटना पर दिए गए अशोभनीय बयान की भी याद दिलाई। राजभर ने दावा किया कि योगी सरकार में इस मामले के मुख्य आरोपी को 2020 में गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, और पुलिस पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे ठोक दिया गया। अपने पोस्ट में राजभर ने 2014 के बदायूं कांड का भी हवाला दिया, जहां दो दलित बहनों के साथ बलात्कार के बाद उनकी हत्या कर दी गई थी और लाशों को पेड़ पर लटका दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले के ज्यादातर आरोपी अखिलेश यादव के स्वजातीय थे और आर्टिकल 15 जैसी फिल्म बनाकर इस मामले को सामान्य करने की कोशिश की गई। मंत्री राजभर ने अखिलेश यादव को तैयार रहने को कहते हुए कहा कि वह सपा सरकार की एक जनपद-एक जातीय हिंसा की पूरी फेहरिस्त जनता के सामने खोलेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और दलितों पर हुए अत्याचारों, मारपीट, हत्या और बलात्कार की घटनाओं को याद दिलाते हुए कहा कि लोग इन जुल्मों को भूले नहीं हैं।

मैसेजिंग ऐप्स के लिए समान नियम बनाने की तैयारी में केंद्र

-प्रस्तावित फीचर्स पर बनेगा साझा ढांचा, सभी प्लेटफॉर्म से विचार-विमर्श के बाद होगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए समान नियामकीय मानक (कॉमन स्टैंडर्ड्स) तैयार करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक ऐसे ढांचे को तैयार करने पर काम कर रहा है, जिससे विभिन्न मैसेजिंग सेवाओं पर एक जैसे नियम लागू किए जा सकें और नए फीचर्स को लेकर लिए जाने वाले सरकारी निर्णयों को स्पष्ट कानूनी आधार मिल सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार को व्हाट्सऐप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर कुछ सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि उपयोगकर्ताओं की पहचान केवल यूजरनेम के आधार पर होने लगे तो किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने (इम्पर्सोनेशन), ऑनलाइन धोखाधड़ी, तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों और जांच एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय इस मुद्दे पर सभी प्रमुख मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है।

सरकार का उद्देश्य ऐसा समान नियामकीय ढांचा तैयार करना है, जिसमें किसी एक मंच पर किसी फीचर को प्रतिबंधित करने और दूसरे मंच पर उसी सुविधा की अनुमति देने जैसी स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट और समान नियमों का अभाव है। इसलिए भविष्य में किसी भी नए फीचर के मूल्यांकन और अनुमति से संबंधित निर्णय एक समान मानकों के आधार पर लिए जा सकें, इसके लिए साझा दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

सरकार का कहना है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अन्य हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। विचार-विमर्श के बाद सभी पहलुओं को सामने रख कर उचित फैसला लिया जा सकेगा। इसके बाद ही किसी नए नियामकीय ढांचे या दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार

चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है।

मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया।

प्रदेश के सभी नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सहयोग की अपील

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों व निर्वाचन कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण किया जा रहा है। ऐसे में सभी मतदाता कार्य के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों से पूर्ण सहयोग करें। निर्वाचन कार्य में बाधा डालने अथवा सरकारी कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता एवं अनुचित व्यवहार को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता एवं मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 14 जुलाई तक गणना प्रपत्र जमा करवाने की आखिरी तारीख है। ऐसे में सभी मतदाता समय रहते अपना एसआईआर फॉर्म बीएलओ के पास जमा करवाएं। दरअसल, 10 जुलाई को ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-73, गांव नाथूसरी चौपटा में निर्वाचन कार्य के दौरान ड्यूटी पर तैनात बीएलओ एवं उनके सहायक के साथ कुछ व्यक्तियों द्वारा अभद्र व्यवहार करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला संज्ञान में आया।

कॉस्मेटिक्स और प्लास्टिक से जोखिम, गर्भवती महिलाओं में मिले हानिकारक रसायनिक पदार्थ

नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में ऐसे रसायनों का स्तर बढ़ता पाया गया है, जो हार्मोनल संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, मां और शिशु के स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डाल सकते हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की तरफ से किए गए एक संयुक्त अध्ययन में यह चिंताजनक स्थिति सामने आई है। शोध में पाया गया कि गर्भवती महिलाओं में एंडोक्राइन-डिसरप्टिंग केमिकल्स की मौजूदगी ज्यादा है। इनमें से कुछ रसायनों का स्तर अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों की तुलना में अधिक है। अध्ययन में 641 स्वस्थ्य गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया और गर्भावस्था के विभिन्न चरणों में उनके यूरिन सैंपल की जांच की गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि मिथाइल पैराबेन नामक रसायन सबसे अधिक मात्रा में मौजूद था। यह रसायन आमतौर पर कॉस्मेटिक्स, स्किन केयर उत्पादों, शैंपू, लोशन और अन्य व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं में पाया जाता है। इसके अलावा मोनोएथिल थैलेट भी बड़ी मात्रा में पाया गया, जो प्लास्टिक उत्पादों और सुगंधित वस्तुओं में इस्तेमाल होता है। एम्स के शोधकर्ता तरंग गुप्ता ने बताया कि इन रसायनों का स्तर गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में सबसे अधिक पाया गया। यह वह समय होता है जब गर्भ में पल रहे शिशु का शारीरिक और जैविक विकास तेजी से होता है। ऐसे में हार्मोन को प्रभावित करने वाले रसायनों की अधिक मौजूदगी भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम पैदा कर सकती है। एम्स के एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के प्रो. राजेश खड़गावत ने बताया कि कुछ रसायनों और नवजात शिशुओं के जन्म के समय वजन, लंबाई और विटामिन-डी स्तर के बीच नकारात्मक संबंध भी देखा गया। हालांकि, विस्तृत सांख्यिकीय विश्लेषण में इन संबंधों को निर्णायक रूप से सिद्ध नहीं किया जा सका, लेकिन उनका कहना है कि ये संकेत आगे और व्यापक शोध की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

बांकेबिहारी मंदिर के पास बने इन दो भवनों से बड़ा खतरा

मथुरा। श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में नोटिस के बाद भी भवन स्वामियों द्वारा जर्जर भवनों की मरम्मत न कराए जाने पर नगर निगम ने सख्त रवैया अपनाया है। निगम ने मंदिर क्षेत्र के दो भवनों को चिह्नित कर उनके ध्वस्तीकरण की तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले निगम की टीम ने भवन स्वामियों को चेतावनी दी है। उन्हें मरम्मत के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। श्रीबांकेबिहारी मंदिर की गली नंबर पांच में सुधीर गोस्वामी के मकान का छज्जा गिरने से हुए हादसे के बाद जागे नगर निगम ने अब तक 235 मकानों जर्जर एवं गिरासू मकानों को चिह्नित कर उनमें रह रहे लोगों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस के जरिए लोगों उन्हें 15 दिनों में जर्जर और गिरांसू भवनों की मरम्मत या फिर उस भाग को हटाने के निर्देश दिए हैं। 15 दिन में यदि भवन स्वामियों ने इस मामले में किसी तरह का सुधार नहीं किया तो नगर निगम द्वारा भवन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। नोटिस जारी करने के बाद निगम ने बांकेबिहारी मंदिर में पुनः सर्वे कार्य शुरु कर घर-घर दस्तक देकर ऐसे भवनों को चिह्नित कर रही है, जिनमें नोटिस के बाद भी सुधार नहीं किया गया। निगम ने सुधीर गोस्वामी के समीप एक भवन चिह्नित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तैयारी शुरु कर दी है। वहीं बांकेबिहारी बाजार में पुरानी आर्ट गैलरी के समीप एक और भवन को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया है। अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने बताया कि बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में दो भवनों के स्वामियों का निगम ने नोटिस देने के बाद पुन: चेतावनी दी है। यदि उन्होंने तीन दिनों में सुधार कार्य नहीं किया गया तो नगर निगम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा

खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत से खेलों में देश का अग्रणी राज्य बना हरियाणा

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत से हरियाणा खेलों में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। खेल मंत्री आज रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित अंडर-23 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा और विशेष रूप से रोहतक के लिए गौरव की बात है कि इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन यहां किया जा रहा है। खेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, ओलंपिक सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता पूरी पारदर्शिता और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ आयोजित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि का भुगतान सुनिश्चित कर चुकी है तथा खेल अवसंरचना को और मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 114 करोड़ रुपये की लागत से 42 नए स्टेडियमों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि जिन स्टेडियमों में रखरखाव अथवा वातानुकूलन संबंधी कार्य चल रहे हैं, उन्हें भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

NAME CHANGE
I, ANKIT KUMAR S/O Virandar Kumar R/O 345, shree pal vihar behind badi mata mandir, Shamli, PO: Shamli, DIST: Shamli, Uttar Pradesh-247776, have change the name of my minor son AAYU SINGHAL aged 8 years and he shall hereafter be known as VAIDIK SINGHAL.

NAME CHANGE
I, Nirbhai Singh, S/O Shive Charan Das Verma 129 F, Shubh Enclave Pitam Pura, Shakur Basti, Delhi-110034 have changed my name to Nirbhai Singh Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Purushottam Gupta, S/O Ram Vilas, R/O E 109/B, Mahavir Vihar, Kanjhwala, Karala, Delhi- 110081 have changed my name to Purshottam Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Rajesh Kumar Singhal S/O Lachhman Das Gupta, R/O Shop No 55 Anaj Mandi, Bahadurgarh, Haryana-124507 have changed my name to Rajesh Gupta for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मैं, आसिम अली खान पुत्र बाकर अली खान, एच नं-4208, गली फैजुल हसन, गली शाहतारा, अजमेरी गेट, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 में रहता हूँ और घोषणा करता हूँ कि मेरे सभी स्व-दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम बाकर अली खान लिखा है लेकिन उनके स्व-दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम मच्छन खान लिखा है, बाकर अली खान और मच्छन खान दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

नाम परिवर्तन
मैं, नदीम खान पुत्र बाकर खान, एच नं-3686, प्रथम तल, शाहगंज चौक, गली शाहतारा, अजमेरी गेट, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 में रहता हूँ और घोषणा करता हूँ कि मेरे सभी स्व-दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम बाकर खान लिखा है लेकिन उनके स्व-दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम मच्छन खान लिखा है, बाकर खान और मच्छन खान दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

NAME CHANGE
I, hitherto known as KAILASH CHAND GARG alias KAILASH CHAND son of KRISHNA CHANDRA residing at R - 8/15, Krishna Kunj, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as KAILASH CHAND GARG.

NAME CHANGE
I, AMITA MISRA wife of AMBRISH BAJPAI residing at Flat No-3, Plot No-432, Vaishali, Sector-4, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010 have changed the name of my minor daughter MAHIKA aged 12 years and she shall hereafter be known as MAHIKA TRIMBIKA BAJPAI.

NAME CHANGE
I Jitendra Singh S/o Vikram Singh R/o Rabupura (Rural), Rabupura, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203209 have changed the name of my minor daughter Enjal aged 14 years and she shall hereafter be known as Angel Singh.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sunehri Devi Jatav W/o Phool Singh R/o SL-22, Shastri Nagar, Bagh Wali Colony, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002, have changed my name and shall hereafter be known as Sunehari Devi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sanju Kumari D/o Naresh Ram R/o Near SJM Hospital, Chhajarsi, Noida, Sector-63, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Sanjau Kumari.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को बताया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सुदामा प्रसाद गुप्ता S/o श्री मुरली गुप्ता ऋश निवासी हाउस नंबर त्र-903-क्र संगम विहार, नई दिल्ली-110080, ने अपनी बेटी जिसका नाम सुश्री संजना गुप्ता है, को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उसके साथ अपने सभी रिश्ते खत्म कर दिए हैं क्योंकि वह हमारे मुवक्किल की बिना सहमति और अनुमति के अर्जुन नाम के व्यक्ति के साथ चली गई है और उसी के साथ रह रही है, जो जो भी व्यक्ति उनसे लेन-देन करेगा या संबंध रखेगा, वह अपने जोखिम और लागत और जिम्मेदारी पर करेगा।

विनोद यादव
LL.M, एडवोकेट
चैंबर नंबर 606, लॉयर्स चैंबर ब्लॉक
साकेत कोर्ट्स कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110017
ईमेल:
advocatevinodyadav@gmail.com
M: 9999561580

NAME CHANGE
I, hitherto known as Manju Chhabra D/o Ashok Chhabra W/o Kapil Dev Mukhra R/o B-190, Sector -46, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.201301, have changed my name and shall hereafter be known as Manju Chhabra Mukhra . It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Madan Singh S/o Ganesh Prasad R/o House no. 24,Mourna, Sector -35, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.201301, have changed my name and shall hereafter be known as Ajay Vishwakarma. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MD KILSMAT alias MOHAMMAD SHAKIL S/o Mohammad Abid, R/o Plot No C-163 Gali No-2 C-Block Madhu Vihar Uttam Nagar New Delhi 110059 India, have changed my name and shall hereafter known as MOHAMMAD SHAKIL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANITA W/o VICKY KUMAR, R/o B-1/90 Madhu Vihar Uttam Nagar 110059, have changed my name and shall hereafter be known as ANITA SHARMA.

NAME CHANGE
I Asif Muhammed / Muhammed Asif / Mohd Asif S/O Muhammed Yusuf R/O C-11 Nizamuddin West New Delhi-110013 Have Changed My Name To Mohammad Asif Permanently

NAME CHANGE
I, SIKANDER S/O ABDUL LATIF R/O HOUSE NO. 453 GALI BAHAR WALI CHHATTA LAL MIYAN DARYA GANJ NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY SON NAME SPELLING FROM SHALISH TO SELISH FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Shyam Veer Singh, S/o Sh. Hakim Singh, R/o H.No. A-188, Gali No. 8, Madhu Vihar, Uttam Nagar, PO: D.K. Mohan Garden, Dist.: West Delhi, Delhi 110059, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as RAJEEV KUMAR and SUSHILA in my minor daughter KUMARI ARADHAYA, aged 08 years in his School Record, TC No. 11377, Student Id: 20230073827, and SLC Id: 5024135. My daughter date of birth is wrongly written is 03-Nov-2017 instead of my correct date of birth is 03-Nov-2018.The actual name of mine and my wife are SHYAM VEER SINGH and SUSHEELA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as KAMAZ JAHAN W/O MUDSIR R/O Tauri 7 Biswa, PO: Tyori, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 245304, have changed my name and shall hereafter be known as QAMAR JAHAN.

NAME CHANGE
I MUDDASSIR AMIR CHOUDHARY S/0 HAFIZ TAJ MOHAMMAD R/0 H NO C 21/4A 4TH FLOOR BLOCK-C OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI CHANGED MY NAME TO MUDDASSAR AMIR CHOUDHARY

NAME CHANGE
I JUBAIDA KHATOON W/0 HAFIZ TAJ MOHAMMED R/0 H NO C 21/4A 4TH FLOOR BLOCK-C OKHLA VIHAR JAMIA NAGAR DELHI CHANGED MY NAME TO ZUBAIDA KHATOON

NAME CHANGE
I, Pravesh Kumar S/O Kesho Ram, R/O H No 156-157 Third Floor, Pocket-18, Sector-24, Rohini, Delhi-110085 have changed my minor Daughter's name from Venuka to Venuka Nishal for all future purposes.

NAME CHANGE
I PRATIBHA legally mother of Army no - 2817391A Rank - SEP, Name - ARBAT SHUBHAM RAMKRUSHNA, Presently Residing At - Dewarda, Post- Palsod Teh - Akot, Dist - Akola State- Maharashtra, Pin - 444101 have changed my name from PRATIBHA to PRATIBHA RAMKRUSHNA ARBAT for all future purposes, in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1976 instead of my correct date of birth as 01/01/1976 Vide Affidavit dated 13/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as M RONIBALA CHANU alias RONIBALA DOLPHIN HEIRANGKHONGJAM W/o H Dolphin, R/o D-566, Block-D, DDA Flats Bindapur, Uttam Nagar, PO: D.k Mohan Garden, DIST: West Delhi, Delhi - 110059 India, have changed my name and shall hereafter be known as MOIRANGTHEM RONIBALA CHANU.

NAME CHANGE
I hitherto known as DEEKSHA NAGAR alias DEEKSHA SHARMA D/o Bikram Singh Nagar W/o Gaurav Sharma R/o A-802, GH-5, Swasthya Enclave, Doctors Park, Sector-5, Vasundhara, Po. Vasundhara Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as DEEKSHA SHARMA.

PUBLIC NOTICE
I, formerly known as NANCY PREET, Wife of CHARANPREET SINGH BEDI, residing at Tower No. P15Q, DLF New Town Heights 1, Sector-90, Gurugram, Haryana □ 122505, have changed my name to NANCY PREET KAUR. Henceforth, I shall be known and addressed as NANCY PREET KAUR for all purposes.

PUBLIC NOTICE
The public at large is hereby informed that my clients, Mrs. Mohinder Kaur, wife of Sh. Mohan Singh, and Sh. Mohan Singh Bhambra, son of Late Sh. Mehar Singh, both residents of 237A Tuglakabad Extension New Delhi-110019. have, of their own free will and without any coercion or undue influence, severed all social, familial, and other relations with their daughter, Ms. Amarjeet Kaur @ Rabia, along with her legal heirs, presently residing in the area of Uttam Nagar, New Delhi.
It is further notified that my clients have disowned the aforesaid persons from all their movable and immovable properties and have publicly declared that they shall have no concern or connection whatsoever with them.
Accordingly, any person entering into any transaction, dealing, arrangement, or financial or other engagement with Ms. Amarjeet Kaur @ Rabia or her legal heirs shall do so solely at his/her/their own risk, cost, and consequences. My clients shall neither be liable nor responsible for any act, omission, representation, liability, debt, obligation, transaction, or misconduct committed or incurred by the aforesaid persons, either presently or in the future.

G.B. Singh, Aparna Malik, Advocates
Chamber No. 446, Saket Courts, New Delhi
Mobile: 9911119367, 8279699499

NAME CHANGE
I MOHAMMAD HASHIM S/O MOHD AKEEL R/O A8/3 BAND GALI MAIN ROAD OPP TAJ HOTEL CHAND BAGH DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD HASIM

NAME CHANGE
I KISHWAR JAHAN W/o MOHD HASIM R/O E-219 2nd floor gali NO 8 CHAND BAGH DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO KISHVAR JAHAN

NAME CHANGE
I CHHOTE LAL S/0 GAJANAND SHARMA R/0 104 -A BHARAT NAGAR NEW FRIENDS COLONY KALKAJI DELHI 110025 CHANGED MY NAME TO CHHOTE LAL SHARMA

NAME CHANGE
I GUNJAN V D/0 DHANYA U.M KUMAR R/0 114 BUNKARO KA MOHALLA KANPURA MAHAR KALAN SAMOD CHOMU JAIPUR RAJASTHAN 303806 CHANGED MY NAME TO HANNAH YOHANNAN JOSEPH

NAME CHANGE
I ZUBEDA BEGUM W/O AFSAR ALI R/O E-49/E-183 STREET NO-18 JANTA MAZDOOR COLONY BABARPUR DELHI-110053 have changed my name to JUMMO for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DWARKA PRASAD residing at T-8/1 KABUL LINE, SADAR BAZAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from DWARKA PRASAD to DWARIKA PRASAD for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RUPESH KUMAR, S/O SHIV SHANKAR PRASAD SHINHA R/O A-68, 2nd Floor Gali No-1, Hardev Nagar, Jharoda Majra, Delhi, Delhi-110084 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SANVI SIYA in my minor daughter namely SANVI SHRIVASTAVA aged 13 years in her school records. The actual name of my daughter is SANVI SHRIVASTAVA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I NIRAJ KUMAR SEHGAL S/O KUNDAN LAL R/O H-3/69 VIKAS PURI, TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to NIRAJ KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Sunanda, is Legally Mother of No Jc- 461815l, Rank- Sub Name- More Sachin Nandkumar Vill- Mahagaon, Post- kshtra Mahuli Tah- Satara, Dist- Satara State- Maharashtra, Pin-415003 Have Changed My Name From Sunanda to Sunanda Nandkumar More for All Future Purposes and in My Son's Service Record My Date of Wrongly Mentioned as 17/10/1958 Correct Date of Birth is 06/10/1962 Vide Affidavit Dated 13/07/2026 Before Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद उबैद, पुत्र श्री मोहम्मद शबीर, नगर निगम संख्या 412/61, क्षेत्रफल 1200 वर्ग फुट (अर्थात 111.524 वर्ग मीटर), स्थित दरजी की बगिया, वार्ड बाज़ार काली जी, जनपद लखनऊ, उत्तर प्रदेश को श्रीमती रज़िया उमर एवं श्रीमती सय्यद हुमैरा नूर एहतराम अली से क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति को श्रीमती रज़िया उमर एवं श्रीमती सय्यद हुमैरा नूर एहतराम अली ने श्री विमर्श कुमार रस्तोगी, प्रताप चन्द्र रस्तोगी (॥स्न) एवं श्री विनय कुमार मिश्रा से विक्रय विलेख दिनांक 22.10.2018 के माध्यम से क्रय किया था। श्रीमती रज़िया उमर ने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, जो दस्तावेज संख्या 17583, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 10989, पृष्ठ संख्या 395ङ्ग464, दिनांक 16.12.2013, उप-पंजीयक-IV, लखनऊ के कार्यालय में पंजीकृत है, गुम/खो गया है। पर्याप्त प्रयासों के बावजूद उक्त मूल दस्तावेज प्राप्त नहीं हो सका। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, लखनऊ शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित (Finance) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है, कि मेरे मुवक्किल श्री रवि कुमार गुप्ता पिता श्री बैजनाथ गुप्ता, निवासी- हाउस नंबर T-235/, पहली मंजलि, दाईं ओर, बलजीत नगर, पटेल नगर, दिल्ली-110008 ने सुश्री संजना गुप्ता पुत्री श्री सुदामा प्रसाद गुप्ता, निवासी- हाउस नंबर त्र-903-क्र संगम विहार, नई दिल्ली-110080 के साथ दिल्ली में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार दिनाक 19.06.2026 को विवाह किया था, लेकिन हमारे मुवक्किल ने अपनी पत्नी श्रीमती संजना गुप्ता के साथ सभी रिश्ते खत्म कर लिए हैं, और उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, क्योंकि उनकी पत्नी दिनाक 09.07.2026 को हमारे मुवक्किल की सहमति और अनुमति के बिना अर्जुन कुमार नाम के व्यक्ति के साथ चली गई है और उसी के साथ रह रही है । जो भी व्यक्ति उनसे लेन-देन करेगा या संबंध रखेगा, वह अपने जोखिम और लागत और जिम्मेदारी पर करेगा।

विनोद यादव
LL.M, एडवोकेट
चैंबर नंबर 606, लॉयर्स चैंबर ब्लॉक
साकेत कोर्ट्स कॉम्प्लेक्स
नई दिल्ली-110017
ईमेल:
advocatevinodyadav@gmail.com
M: 9999561580

NAME CHANGE
I, BORASE SANJAY ATMARAM, is legally father of Army No. 2818206N, Rank - SEP, Name - PATIL PRADIP SANJAY, presently residing at Vill - Sheri, Post - Zurkheda, Teh - Dharangaon, Dist - Jalgaon, State - Maharashtra, Pin - 425103, have changed my name from BORASE SANJAY ATMARAM to SANJAY ATMARAM PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 13/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, MAYABAI, is legally mother of Army No. 2818206N, Rank - SEP, Name - PATIL PRADIP SANJAY, presently residing at Vill - Sheri, Post - Zurkheda, Teh - Dharangaon, Dist - Jalgaon, State - Maharashtra, Pin - 425103, have changed my name from MAYABAI to MAYABAI SANJAY PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 13/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAROJ KUMARI wife of No.-6495531Y, Rank-HAV/ASH, Name-JAY PRAKASH KUMAR YADAV residing at WARD NO-12, VILL-GONDWA TOLA, PO-BARWAT SENA, PS-BETTIAH, DIST-WEST CHAMPARAN, BIHAR-845438, have changed my name from SAROJ KUMARI to SAROJ DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/07/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Ativeer Singh in respect of Plot No. AF-88, total area measuring 100 Sq. yds., i.e. 83.61 Sq. Mts., out of Khasra No. 243, 251/1 and 252, situated at New Anand Vihar Village Sadullahbad, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad**, claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Chandan Kumar Singh** is purchasing the THIRD FLOOR, FLAT NO. D-5, WITH TOTAL CARPET AREA 85 SQ. YDS. , PROPERTY/PLOT BEARING NO.2, AREA 555 SQ. FT, OUT OF AREA 550 SQ YARDS OUT OF KHASRA NO.84 MIN AND 86 MIN SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE MAIDAN GARHI TEHSIL, NEAR BY S.S PLAZO COMPLEX, SAKET, SOUTH DELHI 110068, from Sh. Ankit Gupta who is the owner of the abovesaid property vide Sale Deed which is registered as doc. no.2025/7/I/5858, book no.1, volume no.8339, pages 105-138, dated 09.05.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, ALI NAZAKAT KHAN S/O SAJJAD ALI KHAN R/O H No.M-58, Street No.14, Brahampuri, Delhi-110053 have changed my name to NAZAKAT ALI KHAN.

NAME CHANGE
I SATISH CHANDER JOSHI S/O DHARMANAND JOSHI R/O FLAT NO 301 3RD FLOOR PLOT NO 2894 A, VISHNU APARTMENT RAJENDER PARK SECTOR-105 GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SATISH JOSHI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Raju S/o Puran Lal Add - D-96, ground floor , south city-2, sector-49, Gurgaon -122018, have changed my name to Raju kumar

NAME CHANGE
I, DEEPANKAR LAL (UID. 4258-3251-9926), son of Asha Devi, aged 30 years, residing at 291 Pent House The Excellence Apartment Plot No-4 Seth Vihar CGHS Ltd Sector-18A Dwarka New Delhi 110078 do hereby inform to the General Public that I lost my original Property paper of Address PLOT NO E-274-B MAHAVIR ENCLAVE NEW DELHI, Agreement to Sale, FIR registered LR No. 405266/2026. If any finds the said document please contact me over phone No. 8802282076 or at the above residential address.

NAME CHANGE
It is for general information that I, LALIT KUMAR alias LALIT DAGAR S/o DHARAMVIR, R/o RZA-31B, Indra Park Near Pali Ki Factory, Prajapati Colony, Binda Pur, Uttam Nagar, West Delhi, 110059, declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as LALIT DAGAR and PRTHVI in his school documents. The actual name of mine and my son are LALIT KUMAR and PRITHVI DAGAR respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रतन लाल व श्रीमती रीनू पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार पता जी/एफ झुग्गी नं0 107/331, झुग्गी बस्ती पी एच-2. गोयला डेरी, कुतुब पुर, दक्षिण पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र मनीष कुमार आयु करीब 22 वर्ष के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किलों के पुत्र से किसी भी तरह का लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुविक्कलों व मेरे मुविक्कलों के परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

एन. के. तिवारी अधिवक्ता
चैम्बर नं0 832 जिला न्यायालय,
द्वारका कोर्ट,
नई दिल्ली 110075

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sunil Kumar Gulati** is the owner of Entire Basement and Entire Ground Floor (without roof/terrace rights) (referred to as □said portion□),part of Plot No. 16, in Block-C, having area measuring 200 sq. mts., situated in the Safdarjung Development Area, Community Centre, New Delhi vide Relinquishment Deed dated 19-01-2018 which is registered as Doc. No. 398, in Book No. I, Volume No. 2135, Page Nos. 08-13 on 20-01-2018 (SRO- V A Hauz Khas) and Intend to mortgage the said property with **Standard Chartered Bank. That The SMC of Late Mr. Om Prakash Gulati & Mrs. Prem Lata Gulati** is not available Also Original/ CTC Conveyance Deed dated 19-08-2009 executed by POI through DDA in favour of Mr. Om Prakash Gulati & Mr. Madan Lal Gulati in respect of the said property, duly registered as Doc. No. 11955 on 20-08-2009 is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, ISHITA, W/O RITESH JAIN, R/O TOWER-1, 302, CHINTELS SERENITY, DWARKA EXPRESSWAY,SECTOR-109, BAJGHERA, GURGAON,HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO ISHITA JAIN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ANIL / ANIL KUMAR / ANIL KR YADAV / ANIL YADAV S/O NAHAR SINGH YADAV R/O HOUSE NO-125,SECTOR-18, SARHAUL, GURGAON, HARYANA-122015, HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, VIJAY KUMAR MEHRA, S/O KANWAL KISHORE MEHRA R/O C-2,NEHRU GROUND, FARIDABAD, HARYANA-121001, HAVE CHANGED MY NAME TO VIJAY MEHRA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, MANMADHA RAO father 13626276L, Rank-HAV, Name-MAHESWARA RAO KANDULA residing at VILL-AVALANGI, POST-PALAKONDA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532462, have changed my name MANMADHA RAO to KANDULA MANMADHARAO for all future purposes vide Affidavit Dated 13/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SANTOSH S/O UPENDER PRASAD R/O C-503 CHAWLA COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to SANTOSH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RAKESH MANGLA S/O RAJ NARAYAN R/O C3 -52 FIRST FLOOR BPTP PARKLAND SECTOR -85 KHERI KALAN (113) FARIDABAD HARYANA 121002 have changed my name to RAKESH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MANISH S/O SATISH CHAND VARSHNEY R/O B-46 /208 VISHWAKARMA COLONY DELHI-110044 have changed my name to MANISH VARSHNEY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MAHIMA W/O MANISH VARSHNEY R/O B-46 /208 VISHWAKARMA COLONY DELHI-110044 have changed my name to MAHIMA VARSHNEY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD KHALID S/o Shakeel Ahmad R/o E-20/1, Gali No.7, Subhash Vihar North Ghonda, Yamuna Vihar, Delhi-110053, have changed my name to MOHD KHALID permanently

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Mamta Sharma in respect of Second Floor (Front Side) without roof rights, area measuring 50 Sq. Yards i.e.41.80 Sq. Meters, Built up on Property Bearing No.C-63 & C-63A, Built up on Plot No.46 out of Khasra No.1390/792, Situated in the abadi of C-Block, Mandawali Unchepar in the area of Village-Mandawali Fazalpur, Illaqa-Shahdara, Delhi-110092** claiming to have undisputed ownership. The subject property was initially transferred through GPA, Agreement to Sell (ATS), and Will dated 17.11.2021 executed in favour of Ms. Babita for the extent specified in the relevant deed. Thereafter, Mr. Jitender (husband of Ms. Babita) executed GPA, ATS, and Will in favour of Mr. Attar Singh in respect of the said property. Subsequently, Mr. Attar Singh executed a registered Sale Deed in favour of the borrower, Ms. Mamta Sharma. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever. Upon expiry of the prescribed cooling-off period and in the absence of any adverse claim or objection, the Advocate's NOC to be issued and documented accordingly.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, NANDKUMAR MORE, IS LEGALLY FATHER OF, NO JC-461815L, RANK-SUB NAME-MORE SACHIN NANDKUMAR VILL-MAHAGAON, POST-KSHTRA MAHULI TAL-SATARA, DIST-SATARA STATE-MAHARASHTRA, PIN-415003, HAVE CHANGED MY NAME FROM NANDKUMAR MORE TO MORE NANDKUMAR ANANDRAO FOR ALL FUTURE PURPOSES AND IN MY SON'S SERVICE RECORD MY DATE OF WRONGLY MENTIONED AS 17/10/1953 CORRECT DATE OF BIRTH IS 01/06/1956 VIDE AFFIDAVIT DATED. 13/07/2026 BEFORE NOTARY DELHI.

NAME CHANGE
I, Amardeep S/o Dharmveer R/o H.no.- 136, Niti Khand-3, Near Express Market, Indirapuram, PO: Shipra Sun C, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014 have changed the name of my minor daughter Riya aged 12 years and she shall hereafter be known as Unnati

NAME CHANGE
I, KRISHNA VENI Mother of 13626276L, Rank-HAV, Name-MAHESWARA RAO KANDULA residing at VILL-AVALANGI, POST-PALAKONDA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532462, have changed my name from KRISHNA VENI to KANDULA KRISHNAVENI for all future purposes vide Affidavit dated 13/07/2026 before Notary Public, Delhi.

MINOR NAME CHANGE
I, BEGRAJ S/O RAJPAL R/O Tilbegumpur Bulandshahr Sikandrabad Uttar Pradesh-203205, have changed the name of my minor son VANSH aged 13 years and he shall hereafter be known as VANSHRAJ.

NAME CHANGE
i BISMA D/O RAHIS AHMED R/O H NO -7516 GALI HAJI AMIR BAKSH KURESH NAGAR SADAR BAZAR NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO BISMA AHMED.

NAME CHANGE
I, NO-15816600A, Rank-HAV, Name-OM PRAKASH residing at VILL-BARUAGHAT, PO-RAJEPUR, TEH-BANGARMAU(SAFIPUR), DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-241501, declare that my parents name (father) RAM SWAROOP PAL and (mother) RAM RATEE are wrongly mentioned in my service record. My parents correct name are (father) RAM SWAROOP and (mother) RAMRATI for all future purposes vide Affidavit dated 12/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, CHINNA VENKATESWARLU REDDY father of No-2611905M, Rank-HAV, Name-BAJI BABU TUMMA residing at H.NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, PO-KARLAPALEM, TEHSIL-BAPATLA, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111, have changed my name CHINNA VENKATESWARLU REDDY to TUMMA CHINNA VENKATESWARLU REDDY for all future purposes vide Affidavit Dated 13/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, T JAYA LAKSHMI mother of No-2611905M, Rank-HAV, Name-BAJI BABU TUMMA residing at H.NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, PO-KARLAPALEM, TEHSIL-BAPATLA, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111 have changed my name from T JAYA LAKSHMI to TUMMA JAYA LAXMI for all future purposes vide Affidavit dated 13/07/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

टावर ऑफ जस्टिस सुलभ न्याय व्यवस्था का प्रतीकः अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आज का दिन केवल एक नए न्यायालय भवन के उद्घाटन का अवसर नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, प्रभावी और नागरिक केंद्रित बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण पड़ाव है। वे गुरुग्राम में टावर ऑफ जस्टिस के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का टावर ऑफ जस्टिस आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो कार्यपालिका और न्यायपालिका के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने गुरुग्राम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु द्रोणाचार्य की कर्मस्थली, माता शीतला की पावन भूमि और महाभारतकालीन परंपराओं से जुड़ा यह शहर आज न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए न्याय व्यवस्था का आधुनिक, पारदर्शी और सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न्यायिक सुधारों को गति देने के लिए अधीनस्थ न्यायालयों के बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत कर रही है।

8057 उम्मीदवारों में से 6649 परीक्षार्थियों ने दी एचएयू प्रवेश परीक्षा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को जिन कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोरमेटिक्स, मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी, बायो नैनोटेक्नोलोजी व इंडस्ट्रीयल बायोटेक्नोलोजी कोर्सिज शामिल है। प्रवेश परीक्षा के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 8057 उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र जारी किए गए। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 6649 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। उपरोक्त परीक्षा में उम्मीदवारों की कुल 82.52 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।

रात को सोते समय छात्रा को सांप ने डसा,मौत

यमुनानगर। यमुनानगर के जगाधरी स्थित मां कॉलोनी में शनिवार देर रात एक दर्दनाक घटना में 20 वर्षीय युवती की सांप के डसने से मौत हो गई। घटना के समय युवती अपनी मां और बहनों के साथ एक ही कमरे में सो रही थी। सूचना मिलने के बाद वन्यजीव विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप की तलाश शुरू कर दी। मृतका की पहचान शबनम के रूप में हुई है, जो छछरौली के राजकीय महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार देर रात शबनम अचानक उठी और अपनी मां से कहा कि उसकी गर्दन पर किसी चीज ने काट लिया है। मां ने तुरंत कमरे की लाइट जलाई तो एक सांप बिस्तर से नीचे उतरता दिखाई दिया। यह देखकर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजन बिना समय गंवाए शबनम को सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतका की बहन श्वेता ने बताया कि उनके पिता सतेंद्र मजदूरी करते हैं और परिवार किराये के मकान में रहता है। परिवार में तीन बहनें और एक भाई हैं। घटना की सूचना मिलते ही वन्यजीव विभाग की टीम ने घर पहुंचकर सांप की तलाश शुरू की।

एआई से आवाज बदलकर साइबर ठग सक्रिय, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

सिरसा। साइबर अपराधी ठगी के लिए नए-नए तरकीब निकाल रहे हैं। पहले ओटीपी और फर्जी लिंक का खेल चलता था, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से लोगों के रिश्तेदार, दोस्त और जान-पहचान वालों की आवाज तक कॉपी कर फोन किए जा रहे हैं और लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने के एडवाइजरी जारी की है। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने बताया कि अगर कोई परिचित बनकर अचानक फोन करे और इमरजेंसी का हवाला देकर पैसे मांगे तो बिना पुष्टि किए एक भी रुपया न भेजें। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर डाली गई ऑडियो और वीडियो क्लिप का इस्तेमाल कर एआई तकनीक से किसी भी व्यक्ति की हूबहू आवाज तैयार कर लेते हैं। इसके बाद वे उसी आवाज में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार या दोस्त बनकर फोन करते हैं और किसी हादसे, बीमारी या अन्य आपात स्थिति का बहाना बनाकर तुरंत पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाते हैं।

हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता से सुदृढ हो रहा है हरियाणा में न्यायिक परिसर का ढांचागत विकास : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री हरियाणा के साथ गुरुग्राम में किया टॉवर ऑफ जस्टिस का लोकार्पण

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण न्यायिक परिसर का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार की सक्रिय सहयोगिता के फलस्वरूप हरियाणा में न्यायिक परिसर का ढांचागत विकास सुदृढ हो रहा है और टॉवर ऑफ जस्टिस जैसे न्यायिक भवन न्याय प्रक्रिया को सौहार्दपूर्ण वातावरण देने में सहभागी बनेंगे। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, जस्टिस विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा, जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी, अध्यक्ष बिल्डिंग कमेटी, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक सिब्बल व जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की गरिमामयी उपस्थिति में 'टावर ऑफ जस्टिस' न्यायिक परिसर का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने गुरुग्राम लोकार्पण समारोह से ही वर्चुअल माध्यम से नूंह जिला के तावडू व पुन्हाना न्यायिक परिसर का शिलान्यास भी किया। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य गणमान्य ने टॉवर ऑफ जस्टिस निर्माण में अपना

योगदान देने वाले श्रमिकों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका सम्मान किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि आज का अवसर मेरे लिए विशेष है। जनवरी 2017 में, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहते हुए, मुझे इस न्यायिक परिसर का भूमि-पूजन करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम, जो कभी मुख्यतः कृषि के लिए जाना जाता था, वह आज उ?द्योग, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आज फार्च्यून 500 की आधे से अधिक कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालय, 1500 से अधिक भारतीय कंपनियाँ और स्टार्ट-अप्स यहाँ कार्यरत हैं। व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के साथ संपत्ति, तकनीक, अनुबंध और रोजगार से जुड़े विवाद भी बढ़े हैं। आज गुरुग्राम की अदालतों में 24,000 से अधिक सिविल डिस्प्यूट , लगभग 1,000 कमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के एक लाख से अधिक मामले लंबित हैं। ये आँकड़े न्याय व्यवस्था पर बढ़ते दायित्व का संकेत हैं। ऐसे समय में यह टॉवर ऑफ जस्टिस केवल एक आधुनिक भवन नहीं है, बल्कि न्याय तक पहुँच को और अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम है। न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं। यह परिसर उसी सोच का प्रतीक है। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण के माध्यम से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी, लंबित मामलों के निस्तारण में गति आएगी और विशेष रूप से कमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट से जुड़े मामलों के लिए अधिक न्यायिक क्षमता उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएँ भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ, हमारा प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे। उन्होंने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस केवल एक भव्य इमारत न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निष्पक्ष, प्रभावी और संवेदनशील न्याय का प्रतीक बनेगा।

'संविधान की मर्यादा का केंद्र है टॉवर ऑफ जस्टिस : मुख्यमंत्री'

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम में निर्मित अत्याधुनिक 'टावर ऑफ जस्टिस' न्यायिक परिसर संविधान की मर्यादा, न्यायपालिका की गरिमा और नागरिकों के न्याय पर अटूट विश्वास का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए आर्थिक प्रगति के साथ-साथ त्वरित, सुलभ एवं पारदर्शी न्याय व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम आज ज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप और वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। ऐसे शहर में आधुनिक न्यायिक परिसर की स्थापना न्याय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जिस भवन की आधारशिला रखी गई थी, उसका लोकार्पण आज भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के कर कमलों से होना एक प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक संयोग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के साथ-साथ 'ईज ऑफ जस्टिस' को भी समान महत्व देना होगा। न्याय व्यवस्था ऐसी हो जो सरल, सुलभ, पारदर्शी तथा समयबद्ध हो, ताकि प्रत्येक नागरिक को शीघ्र न्याय मिल सके और आर्थिक विकास को मजबूत कानूनी आधार प्राप्त हो। श्री सैनी ने महाभारत के युधिष्ठिर एवं यक्ष संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय न्याय परंपरा का मूल आधार निष्पक्षता, धर्म और सिद्धांत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुरु द्रोणाचार्य और माता शीतला देवी की पावन भूमि पर स्थापित यह न्यायिक परिसर आने वाले वर्षों में न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगा

आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना से आमजन का न्याय पर विश्वास होगा और मजबूत : मनोहर लाल

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन केवल एक नए भवन का शुभारंभ नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रति आमजन के विश्वास को और सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि न्यायालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ न्याय की उम्मीद लेकर आता है। ऐसे में न्यायालय का वातावरण, वहां उपलब्ध सुविधाएं और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अनुभव नागरिकों के मन में विश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे जिले में बढ़ते मुकदमों को देखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल न्यायिक परिसर की आवश्यकता थी। इस परिसर में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाएंगी। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल आधुनिक अधोसंरचना का उदाहरण नहीं, बल्कि न्याय को अधिक सम्मानजनक और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक विवाद भूमि, पारिवारिक और अन्य सामाजिक मामलों से जुड़े हैं, जिससे न्यायालयों पर लगातार भार बढ़ रहा है। ऐसे में केवल न्यायालयों का विस्तार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अनावश्यक मुकदमों को कम करने, वैकल्पिक विवाद समाधान, मध्यस्थता और लोक अदालतों जैसी व्यवस्थाओं को भी मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रशासन में पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और नागरिक हितों को केंद्र में रखकर अनेक सुधार किए हैं।

गुरु जंभेश्वर महाराज की शिक्षाओं के अनुरूप चलकर युवाओं को रोजगार योग्य बना रही सरकार : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गुरु जंभेश्वर महाराज की शिक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार का दृढ़ विश्वास है कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधियां या डिग्रियां बांटना नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसे चरित्रवान, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करना है, जो तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ अपनी संस्कृति और प्रकृति के प्रति भी पूरी तरह सजग हों। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां के गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 7 करोड़ 58 लाख रुपए के उदघाटन एवं शिलान्यास किए, इनमें 6 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले कन्या छात्रावास का शिलान्यास, स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में 1.40 करोड़ रुपएसे बने नर्सिंग विभाग के भवन का उद्घाटन तथा 18 लाख रुपए की लागत से बने खेजड़ली महाबलिदान स्मृति शिल्प एवं माता अमृता देवी सर्कल का लोकार्पण किया। उन्होंने नर्सिंग ब्लॉक का नाम विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने गुरु जंभेश्वर महाराज और बिश्नोई समाज का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का अस्तित्व बहुत महत्व रखता है, जिसका प्रतिनिधित्व गुरु जंभेश्वर जी

महाराज ने अपने जीवन और उपदेशों में किया। गुरु जंभेश्वर की शिक्षाओं के अनुरूप ही डबल इंजन की सरकार प्रकृति के साथ संतुलन बैठाकर हरियाणा को विकास की नई बुलंदियों पर ले जाने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता का मूल स्वर प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध का रहा है। इसी महान परंपरा में पंद्रहवीं शताब्दी में गुरु जंभेश्वर महाराज ने मरुस्थलीय प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए जो विचार-क्रांतिप्रारंभ की, वह अपने समय से कई शताब्दियां आगे की सोच थी। उस समय जब संसार के अधिकांश भागों में प्रकृति को केवल संसाधन के रूप में देखा जाता था, तब गुरु जंभेश्वर महाराज ने प्रकृति को जीवन का आधार, धर्म का अंग और लोक कल्याण का सर्वोच्च माध्यम घोषित किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु जंभेश्वर महाराज के द्वारा प्रतिपादित 29 नियम केवल किसी धार्मिक पंथ के अनुशासन नहीं हैं। ये नियम मानव जीवन, पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समरसता, जैव विविधता, पशु-करुणा, जल संरक्षण, स्वच्छता, संयम और नैतिक जीवन के अमूल्य सिद्धांत हैं। ये नियम आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पांच सौ वर्ष पहले थे।

पूर्व एचएसएससी चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी बने मुख्यमंत्री के विशेष शिकायत निवारण अधिकारी

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के पूर्व अध्यक्ष एवं यमुनानगर जिले के गांव खदरी निवासी भोपाल सिंह खदरी को मुख्यमंत्री का विशेष शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया है। इस संबंध में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा 12 जुलाई को नियुक्ति आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार, भोपाल सिंह खदरी की नियुक्ति अस्थायी आधार पर की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वह इस पद पर तब तक कार्यरत रहेंगे, जब तक मुख्यमंत्री उन्हें इस दायित्व पर बनाए रखना उचित समझेंगे। उनके वेतन, भत्तों तथा सेवा संबंधी अन्य शर्तों की जानकारी अलग से जारी की जाएगी। भोपाल सिंह खदरी इससे पहले हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें 23 मार्च 2021 को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 23 मार्च 2024 तक निर्धारित था, लेकिन उन्होंने कार्यकाल पूरा होने से पहले 15 मार्च 2024 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में सरकार ने हिम्मत सिंह को आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव के कारण भोपाल सिंह खदरी लंबे समय से कार्य किया है। साधारण किसान परिवार से आने वाले भोपाल सिंह खदरी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत गांव के सरपंच के रूप में की थी। इसके बाद वह हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य बने और बाद में आयोग के अध्यक्ष

भाजपा नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में गिने जाते हैं। वह दिवंगत भाजपा सांसद रतनलाल कटारिया के राजनीतिक सचिव भी रह चुके हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ भी उन्होंने निकटता से पद तक पहुंचे। उन्होंने स्नातकोत्तर (एमए) के साथ एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की है। अब मुख्यमंत्री के विशेष शिकायत निवारण अधिकारी के रूप में उन्हें प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिल्ली में होगा 'राष्ट्र प्रथम' स्मारिका का भव्य विमोचन, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्रियों को निमंत्रण

एजेंसी

नूंह। वंदे सरदार एकता पदयात्रा की प्रेरक स्मृतियों, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश को समेटे विशेष स्मारिका 'राष्ट्र प्रथम' का भव्य विमोचन इसी माह नई दिल्ली में प्रस्तावित है। समारोह में मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किए जाने की तैयारी है। इसी क्रम में गुरुग्राम स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर समारोह के लिए समय देने का अनुरोध किया।आयोजन समिति के महासचिव मोहम्मद साजिद ने बताया कि स्मारिका में 27 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक मेवात में आयोजित 10 दिवसीय वंदे सरदार एकता पदयात्रा की प्रमुख गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान, सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और विभिन्न आयोजनों का विस्तृत विवरण प्रकाशित किया गया है। इसके साथ ही मेवात के गौरवशाली इतिहास, शहीद राजा हसन खां मेवाती के शौर्य एवं बलिदान तथा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्मारिका पदयात्रा के उद्देश्य, संदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। समिति के सदस्य जाकिर कोटला ने बताया कि नई दिल्ली में प्रस्तावित समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

अनुभवों और समाज से मिले व्यापक सहयोग का ऐतिहासिक दस्तावेज होगी।समिति की सदस्य एडवोकेट अंजुम इस्लाम ने बताया कि प्रस्तावित समारोह में देशभर से सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। समारोह के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में बीरबल, जाकिर, इमरान सरपंच, रफीक अल्वी, कमल हुसैन, नासिर कुरैशी, इरशाद, राजुद्दीन, अजय कंसल, टेकचंद गोहर, राशिद कुरैशी, असलम गौरवाल, दामोदर भारद्वाज, इनायत, रूमा सरकार, घनश्याम शर्मा तथा आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में ऑनलाइन पोर्टलों के विरोध में एमपीएचडब्ल्यू एसोसिएशन

एजेंसी

चंडीगढ़। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी (एमपीएचडब्ल्यू) एसोसिएशन, हरियाणा ने विभिन्न जिलों में ऑनलाइन स्वास्थ्य पोर्टलों के संचालन को लेकर कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया है। एसोसिएशन का कहना है कि कर्मचारियों को सेवा समाप्ति, वेतन रोकने और प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी वाले पत्र भेजे जा रहे हैं, जबकि संगठन पिछले वर्ष से ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार कर रहा है।एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से हस्तक्षेप कर ऐसे पत्राचार पर रोक लगाने की मांग की है। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य और प्रदेश प्रेस सचिव संदीप कुंडू ने संयुक्त बयान में कहा कि संगठन पहले ही सरकार और स्वास्थ्य विभाग को अवगत करा चुका है कि ऑनलाइन कार्य के लिए पर्याप्त मानव संसाधन, तकनीकी सुविधाएं और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान होने तक बहिष्कार जारी रहेगा। उनका दावा है कि 25 अक्टूबर 2025 से कर्मचारी ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कई जिलों में कर्मचारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश महासचिव सहदेव आर्य ने कहा कि कर्मचारियों को भय और दबाव में रखकर काम कराने का प्रयास स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना है कि विभाग को पहले ऑनलाइन प्रणाली से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करना चाहिए और आवश्यक कंप्यूटर स्टाफ तथा तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। उनके अनुसार केवल चेतावनी देने से व्यवस्थागत समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक और मिशन निदेशक एनएचएम से कर्मचारियों के हित में तत्काल निर्णय लेने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों पर कथित दबाव और धमकी भरे पत्राचार नहीं रोके गए तो बढ़ते असंतोष की जिम्मेदारी सरकार और विभाग की होगी।

दुनियाभर में हाइड्रोजन रेल तकनीक अपनाने वाले देशों की श्रेणी में भारत की मजबूत दस्तक, 17 जुलाई का जींद कार्यक्रम बनेगा ऐतिहासिक : ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़/जींद। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि 17 जुलाई का दिन केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक महत्व का होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जींद से प्रस्तावित हाइड्रोजन रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर भारत की स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और आधुनिक तकनीक की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि जींद का यह आयोजन विकसित भारत के संकल्प का राष्ट्रीय प्रतीक बनेगा तथा देश की ग्रीन एनर्जी यात्रा को नई गति देगा। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक, जिला मीडिया प्रभारी राकेश बैरागी, प्रदेश प्रवक्ता रामराज शर्मा, डिप्टी स्पीकर के मीडिया प्रभारी सन्नी मग्गू, आईटी जिला प्रमुख विकास श्योकंद सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मीडिया टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

जींद के एक निजी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि

भारत हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 1,200 हॉर्स पावर क्षमता वाली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी नवाचार का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया कार्बन उत्सर्जन में कमी और स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ग्रीन हाइड्रोजन, अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से जुड़ाव हमेशा विकास और राष्ट्र निर्माण से रहा है। रेवाड़ी से पूर्व सैनिकों के सम्मान का संदेश, पानीपत से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान, कुरुक्षेत्र से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश, हिसार में हवाई संपर्क के विस्तार तथा अब जींद से हाइड्रोजन रेल सेवा के शुभारंभ का प्रस्तावित कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा राष्ट्रीय महत्व की अनेक विकास परियोजनाओं का केंद्र रहा है।

श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएम गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने देश को विनिर्माण, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाया है।

हरियाणा में बनेगी राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, उचाना में होगा एचडीआरएफ मुख्यालय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य की पहली समर्पित हरियाणा डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एचडीआरएफ) गठित करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की तर्ज पर कार्य करने वाली इस विशेष बल का मुख्यालय जींद जिले के उचाना में स्थापित किया जाएगा।सरकार के अनुसार, एचडीआरएफ आगजनी, भवन ढहने, औद्योगिक दुर्घटनाओं, रासायनिक रिसाव, बाढ़, भूकंप तथा अन्य बड़ी आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव अभियान संचालित करेगी। बीते कुछ वर्षों में हरियाणा का शहरी नक्शा तेजी से बदला है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और पंचकूला जैसे शहरों में ऊंची आवासीय और व्यावसायिक इमारतों का तेजी से विस्तार हुआ है। दूसरी ओर पानीपत, बहादुरगढ़, फरीदाबाद और गुरुग्राम के औद्योगिक क्षेत्रों में रसायन आधारित इकाइयों की संख्या लगातार बढ़ी है। इससे आग, विस्फोट और रासायनिक दुर्घटनाओं जैसे जोखिम भी पहले की तुलना में अधिक गंभीर हो गए हैं। पुराने शहरों की संकरी बस्तियों और घनी आबादी वाले बाजारों में आग लगने की घटनाएं आज भी राहत एजेंसियों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। लगभग 20 एकड़ भूमि पर बनने वाले परिसर से 1,149 जवानों की पूरी बटालियन संचालित होगी। राज्य के भौगोलिक मध्य में होने के कारण उचाना से अधिकांश जिलों तक कम समय में पहुंचना संभव होगा। इसी रणनीतिक स्थिति को देखते हुए इसे कमांड सेंटर के रूप में चुना गया है, ताकि किसी भी बड़े हादसे की सूचना मिलते ही विशेष टीमें तुरंत रवाना की जा सकें। एचडीआरएफ को बहुआयामी आपदाओं से निपटने के लिए तैयार किया जाएगा।

इस सप्ताह निवेशक तीन नए आईपीओ में निवेश कर सकेंगे

निवेशकों के पास 10 हजार करोड़ से अधिक के इश्यू में निवेश का मौका

नई दिल्ली।

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के सामने तीन नए आईपीओ में निवेश का अवसर होगा, जिनका कुल आकार 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के आईपीओ शामिल हैं। पहले दो इश्यू मेनबोर्ड श्रेणी के हैं, जबकि मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ एसएमई प्लेटफॉर्म पर आएगा। निवेशक अपनी रणनीति और जोखिम क्षमता के अनुसार इनमें से किसी एक या सभी इश्यू में आवेदन कर सकते हैं। इस सप्ताह का सबसे बड़ा आईपीओ एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का है। भारतीय स्टेट बैंक और फ्रांस की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अमुंडी के संयुक्त उपक्रम की यह कंपनी आईपीओ के माध्यम से 9,812.91 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इसके लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। यह ऑफर फॉर सेल आधारित इश्यू है, इसलिए इससे प्राप्त राशि कंपनी के बजाय अपने शेयर बेच रहे प्रवर्तकों को मिलेगी। इस इश्यू के तहत भारतीय स्टेट बैंक लगभग 4.88 प्रतिशत और अमुंडी करीब 3.51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे। दूसरा मेनबोर्ड आईपीओ गुजरात की टेक्सटाइल कंपनी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का है। कंपनी 126.25 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके लिए 100 से 105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया गया है। यह पूरी तरह फ्रेश इश्यू है। आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग नया वीविंग प्लांट स्थापित करने, ग्रे फैब्रिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, कर्ज चुकाने तथा अन्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। एसएमई श्रेणी में बेंगलुरु की प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी 160.30 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने 315 से 331 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू से मिलने वाली राशि नई मशीनों की खरीद, कार्यशील पूंजी और सामान्य व्यावसायिक जरूरतों पर खर्च की जाएगी। इस वर्ष अब तक 30 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 24,404 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। नए इश्यू के बाद यह आंकड़ा 34,343 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं एसएमई प्लेटफॉर्म पर अब तक 90 कंपनियां 3,861 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के शामिल होने के बाद यह राशि 4,022 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस बीच लेजर पावर एंड इंफ्रा, डेक्सन केटेलिस्ट और हैप्पी स्टील्स के आईपीओ पर भी बोली जारी हैं।

सेवानिवृत्ति की तैयारी: ईपीएफ, पीपीएफ या एनपीएस कौन है बेहतर विकल्प ?

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा के बीच वित्तीय सुरक्षा के लिए तीनों योजनाओं को समझना जरूरी

-नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा को देखते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। केवल बचत पर्याप्त नहीं, बल्कि नियमित आय देने वाली निवेश योजनाएं आवश्यक हैं। भारत में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) तीन प्रमुख विकल्प हैं, जिनके नियम, जोखिम, रिटर्न और कर लाभ भिन्न हैं। संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ईपीएफ एक मजबूत आधार है, जहां नियोक्ता-कर्मचारी योगदान से बड़ा फंड बनता है। सरकारी ब्याज दर के साथ यह नौकरीपेशा लोगों के लिए सुरक्षित बचत है। वहीं पीपीएफ किसी भी भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षित और सरकारी गारंटी वाली योजना है। 7.1 फीसदी ब्याज दे रही यह योजना, निवेश, ब्याज और परिपक्वता राशि पर कर छूट (ईईई) के कारण दीर्घकालिक निवेश का लोकप्रिय विकल्प है। एनपीएस अधिक रिटर्न चाहने वाले और सीमित बाजार जोखिम उठाने को तैयार निवेशकों के लिए बेहतर है। यह शेयर, बॉन्ड आदि में निवेश करती है, बाजार-आधारित प्रतिफल के साथ अतिरिक्त कर लाभ देती है। वित्तीय विशेषज्ञ तीनों योजनाओं के संतुलित संयोजन की सलाह देते हैं। ताकि सुरक्षा, कर बचत और बेहतर रिटर्न का लाभ मिल सके। नियमित निवेश और योजना की समीक्षा भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

एयरटेल का डिजिटल महाविस्तार, वित्तीय सेवाओं और डेटा केंद्रों पर दांव

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने वार्षिक रिपोर्ट में किया खुलासा

नई दिल्ली।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी भारती एयरटेल अब सिर्फ मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में घोषणा की है कि एयरटेल भविष्य में वित्तीय सेवाओं, डाटा केंद्र और क्लाउड कारोबार को अपनी अगली विकास यात्रा का प्रमुख आधार बनाएगी। यह रणनीतिक विस्तार भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण और क्लाउड सेवाओं की मांग का लाभ उठाने के लिए तैयार किया गया है। मित्तल ने बताया कि एयरटेल मनी में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है, जिसे आरबीआई से गैर-जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में मंजूरी मिल चुकी है। यह कदम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही कंपनी अपने डाटा केंद्र कारोबार एनएक्स्ट्रा का भी तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत 1000 मेगावाट क्षमता वाले डाटा केंद्र विकसित करने का लक्ष्य है। हाल ही में एनएक्स्ट्रा के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई गई है, जो क्लाउड सेवाओं की बढ़ती मांग और डेटा को भारत में सुरक्षित रखने की जरूरत को पूरा करेगी। पिछले एक दशक में भारती एयरटेल ने डिजिटल बुनियादी ढांचे पर 3.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो इस नए विस्तार का आधार बनेगा। कंपनी का मानना है कि वित्तीय सेवाओं, डाटा केंद्र और क्लाउड सेवा जैसे क्षेत्रों में उसकी मजबूत स्थिति, साथ ही सरकार की सहायक नीतियां, भविष्य में बेहतर परिणाम देंगी। एयरटेल की 5जी सेवा का ग्राहक आधार 18.8 करोड़ तक पहुंच गया है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए लागू: व्यापार को नई गति, पेशेवरों को बड़ा लाभ

15 जुलाई से निर्यात शुल्क शून्य

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होगा। यह निर्यातकों को शून्य शुल्क का लाभ देगा और ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत ब्रिटेन को भेजे जाने वाले सभी भारतीय उत्पादों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) जैसे क्षेत्रों को सीधा फायदा होगा। गोयल ने बताया कि यह समझौता ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए भी बड़ा बदलाव लाएगा। डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के तहत, पांच साल तक ब्रिटेन में कार्यरत भारतीयों को अब वहां सामाजिक सुरक्षा में योगदान नहीं देना होगा। इसके बजाय, उनके वेतन का लगभग 25 फीसदी सीधे भारत में उनके भविष्य निधि खातों में 8.25 फीसदी कर-मुक्त ब्याज के साथ जमा होगा। गोयल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया।

कीस्टोन रियल्टर्स की बिक्रि बुकिंग में 42 फीसदी की गिरावट

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 617 करोड़ रुपये रही बिक्री बुकिंग

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट फर्म कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में 42 फीसदी की उल्लेखनीय गिरावट का सामना करना पड़ा है। इस तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 617 करोड़ रुपये दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह 1,068 करोड़ रुपये थी। मुंबई स्थित इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए अपने तिमाही कारोबारी प्रदर्शन की जानकारी साझा की है। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई। ऐसे में बिक्री मुख्य रूप से मौजूदा परियोजनाओं की स्थिर मांग और खरीदारों के भरोसे से समर्थित रही। हालांकि, कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त राशि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बढ़कर 599 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 575 करोड़ रुपये थी। कीस्टोन रियल्टर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने इसे स्थिर शुरुआत बताते हुए कहा कि वे पिछली गति को बनाए रखेंगे। कंपनी को वैश्विक स्थिरता से आर्थिक सुधार और आगामी तिमाहियों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटाई

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटा दी है। अब उसके कर्मचारियों की संख्या घटकर 2.11 लाख रह गई है। पिछले नौ वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है क्योंकि देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक प्रौद्योगिकी के उपयोग और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के विकास में तेजी से अपना भागीदारी बढ़ा रहा है। इससे पहले ऐक्सिस बैंक ने प्रौद्योगिकी में अपने निवेश के कारण उत्पादकता में हुए सुधार को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 में कर्मचारियों की संख्या में करीब 3,100 की कटौती की थी। एचडीएफसी बैंक के एक अधिकारी ने नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि प्रौद्योगिकी से संचालित और ग्राहक केंद्रित बैंक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के साथ ही हमें कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने की आवश्यकता है। हम अपने लोगों को प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अधिक उत्पादक तरीके से और ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से काम करने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि कर्मचारियों को बैकएंड कार्यों से ग्राहक केंद्रित भूमिकाओं में नए सिरे से तैनाती की जा रही है। बैकएंड कार्यों में प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता हासिल की गई है।

हम काफी सोच-समझकर प्रतिभाओं को बैकएंड कार्यों से अलग कर रहे हैं क्योंकि वहां प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता लाई जा सकती है।

एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में 20,456 करोड़ का निवेश करेगी

लारा सुपर तापीय परियोजना के तीसरे चरण के लिए बोर्ड ने दी स्वीकृति

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 1,600 मेगावाट क्षमता वाली लारा सुपर तापीय विद्युत परियोजना के तीसरे चरण के लिए 20,456.70 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की 11 जुलाई को हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मुहर लगाई गई।

यह विस्तार परियोजना न केवल देश में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, बल्कि बिजली ग्रिड में तापीय और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बेहतर समायोजन में भी मदद करेगी। एनटीपीसी का यह निवेश देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के ऊर्जा परिदृश्य को मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 47अंक , निफ्टी 4 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक वैश्विक संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव जारी रहने से बाजार में उत्साह नहीं था। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन आईटी शेयरों में तेजी से बाजार अंत में बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 47.01 अंक उछलकर 77,616.40 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.10 अंक बढ़कर 24,211 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा तेजी आई । इसके बाद निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी बढ़त रही। निफ्टी ऑटो में और निफ्टी प्राइवेट बैंक व निफ्टी पीएसयू बैंक में भी तेजी रही।वहीं इसके विपरीत, निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी मेटल , निफ्टी इंफ्रा और निफ्टी रियल्टी में गिरावट आई। निफ्टी फार्मा और निफ्टी एनर्जी भी नीचे आये। निफ्टी में टीसीएस और एचसीएलटेक में बढ़त दर्ज की गई और ये दिन के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, बजाज ऑटो और एनटीपीसी के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। जबकि, सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया के शेयर रहे ।जानकारों के अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले बढ़ने के बाद से ही ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 3 तेजी आई है जिससे बाजार पर दबाव आया है। ।वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 178 अंक की गिरावट के साथ 24,029.75 पर कारोबार कर रहा था। वहीं बीएसई सेंसेक्स 637 अंक टूटकर 76,931.95 के स्तर पर आ गया। वहीं अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए, जहां एनवीडिया और मेटा जैसी टेक कंपनियों में खरीदारी देखने को मिली।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बनाया रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर

फिजिकल एआई आधारित रोबोटिक्स पर जोर, सीईओ को सीधे रिपोर्ट करेगा नया संगठन

सियोल ।

रोबोटिक्स कारोबार को विस्तार देने के लिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर की स्थापना की है। नया संगठन रोबोटिक्स के व्यावसायीकरण से जुड़े कारोबार विकास, आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण संचालन को एकीकृत रूप से संभालेगा।

एक जुलाई 2026 से प्रभावी यह बदलाव कंपनी के वार्षिक संगठनात्मक पुनर्गठन से पहले किया गया है। एलजी का कहना है कि इससे फिजिकल एआई आधारित रोबोटिक्स को भविष्य के प्रमुख कारोबार के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। नया केंद्र सीधे सीईओ ल्यू जे-चेओल को रिपोर्ट करेगा।रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर का नेतृत्व सॉन्ग सी-योंग करेंगे। वह इससे पहले एलजी के प्रोडक्शन इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रमुख जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। केंद्र व्यापार विकास, बिक्री और संचालन से जुड़े सभी पहलुओं पर काम करेगा।एलजी ने रोबोट प्रशिक्षण और तकनीकी विकास के लिए एक समर्पित डेटा फैक्ट्री संगठन बनाने की भी घोषणा की है। इसके तहत सियोल के यांगजे आरएंडडी कैंपस में बड़े पैमाने की डेटा फैक्ट्री तैयार की जा रही है। यहां से मिलने वाले उच्च गुणवत्ता वाले डेटा का उपयोग एलजी के रोबोट फाउंडेशन मॉडल (आरएफएम) को बेहतर बनाने में किया जाएगा।कंपनी के अनुसार, नई संरचना से निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और रोबोटिक्स रणनीति, तकनीकी विकास तथा लागत प्रतिस्पर्धा को मजबूती मिलेगी।

रुपया 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 79 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ा। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा के कमजोर शुरुआत के साथ 95.53 प्रति डॉलर के स्तर पर खुलने की उम्मीद थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.77 प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 39 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 101.12 पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच ब्रेंट 79 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 4 फीसदी उछल गया। ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार करता दिखा। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई थी। लेकिन नए सैन्य तनाव ने उस राहत को खत्म कर दिया। अब दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावना भी कमजोर पड़ गई है। ईरान ने कहा है कि बातचीत आगे बढ़ाने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल निर्यात से जुड़े मुद्दों पर प्रगति जरूरी है। सोमवार सुबह ब्रेंट क्रूड करीब 3.93 फीसदी बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी करीब 3.98 फीसदी की तेजी के साथ 74.25 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें गिरकर 2.90 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर आ गई हैं, जो पिछले सात हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। इसकी मुख्य वजह आने वाले दिनों में मौसम के ठंडा रहने का अनुमान है, जिससे एयर कंडीशनिंग की मांग घट सकती है और गैस से बनने वाली बिजली की खपत कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, फ्रीपोर्ट एलएनजी ने 10 जुलाई से अगस्त के आखिर तक अपने प्लांट में रखरखाव (मेंटेनेंस) का काम शुरू किया है, जिससे अस्थायी रूप से गैस की खपत घटेगी। वहीं अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के ताजा आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई तक देश में प्राकृतिक गैस का भंडार पिछले पांच साल के औसत से 6.6 फीसदी अधिक है। पर्याप्त सप्लाई और कमजोर मांग की संभावना के चलते प्राकृतिक गैस की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोना-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट

सोना 845 रुपए गिरकर 1,42,633 पर, चांदी 4,016 रुपए टूटकर 2,18,648 पर

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान तनाव और फेड के सख्त रुख की वजहों से सोने-चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के कारोबार की सोमवार को सुस्त शुरुआत हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 845 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,633 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,43,478 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,658 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,43,633 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,41,557 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 4,016 रुपये की गिरावट के साथ 2,18,648 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,22,664 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 4,889 रुपये की गिरावट के साथ 2,17,775 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,18,667 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,17,277 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,106.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,113.70 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 38.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,075.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.71 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 60.16 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.40 डॉलर की गिरावट साथ 58.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

स्मार्टवर्क्स को पुणे में 58 करोड़ का मेगा लीज़ कॉन्ट्रैक्ट

ब्रिटिश कंपनी को 930 से अधिक सीटें पट्टे पर दीं

नई दिल्ली ।

सह-कार्यस्थल उपलब्ध कराने वाली कंपनी स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेस लिमिटेड ने पुणे में ब्रिटेन की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी को 930 से अधिक सीटें पट्टे पर दी हैं। इस बड़े सौदे से कंपनी को आगामी पांच वर्षों में कुल 58 करोड़ रुपये की किराये से आय होने की उम्मीद है। गुरुग्राम स्थित स्मार्टवर्क्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह लीज़ समझौता ब्रिटेन की एक वैश्विक पेशेवर सेवा और प्रौद्योगिकी कंपनी की भारतीय अनुषंगी इकाई के साथ किया गया है। कंपनी ने गोपनीयता के चलते लीज़ पर सीटें लेने वाली फर्म के नाम का खुलासा नहीं किया है। स्मार्टवर्क्स के लिए यह एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो भारतीय कोवर्किंग बाजार में इसकी बढ़ती पैठ को दर्शाता है। यह समझौता 60 महीने यानी पांच साल की अवधि के लिए हुआ है, जिससे कंपनी को अगले पांच वर्षों में 58 करोड़ रुपये की निश्चित आय प्राप्त होगी। यह सौदा स्मार्टवर्क्स के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा ।

सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और न्याय की संवेदना

कांतिलाल मांडोत

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

देश की सबसे बड़ी अदालत में मयार्दा भी सर्वोपरि और पीड़ित की पीड़ा को समझना भी उतना ही आवश्यक...

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं है, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की अंतिम आशा का केंद्र है। जब देश का कोई नागरिक हर स्तर पर न्याय की तलाश में असफल होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, तो उसके मन में यही विश्वास होता है कि यहां उसकी बात निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट की गरिमा, मयार्दा और प्रतिष्ठा पूरे न्यायिक तंत्र की आधारशिला मानी जाती है। अदालत की गरिमा बनाए रखना जितना न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों का दायित्व है, उतना ही वहां उपस्थित प्रत्येक अधिवक्ता, याचिकाकर्ता और नागरिक का भी कर्तव्य है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्यायालय का भी अधिकारी माना जाता है। उसकी वाणी, उसका आचरण और उसका व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी संयम बनाए रखें। असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। उस रेखा का सम्मान करना ही लोकतांत्रिक संस्कृति और न्यायिक परंपरा की पहचान है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने वकील की याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसके खिलाफ अवमानना की कठोर कार्रवाई नहीं की।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति संभवतः अत्यधिक तनाव और मानसिक दबाव में है तथा उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की मानवीय संवेदना को भी सामने लाता है। कानून केवल दंड देने का माध्यम नहीं है, बल्कि परिस्थितियों को समझने और न्याय के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखने की व्यवस्था भी है।

वास्तविकता यह है कि न्याय की तलाश में अदालत तक पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी पीड़ा, संघर्ष या अन्याय का बोझ लेकर आता है। वर्षों तक मुकदमे लड़ने, आर्थिक बोझ उठाने और बार-बार अदालतों के चक्कर लगाने के बाद जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता, तब कई लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह टूटन कभी-कभी हताशा और असंतुलित व्यवहार के रूप में सामने आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे व्यवहार को उचित ठहराया जाए, बल्कि यह समझना आवश्यक है कि उसके पीछे पीड़ा और निराशा का एक लंबा इतिहास भी हो सकता है। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता के साथ-साथ उसकी संवेदनशीलता भी है। यदि कोई व्यक्ति अदालत में अत्यधिक तनावग्रस्त दिखाई देता है, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार करते हुए उसकी मानसिक स्थिति को भी समझना चाहिए। न्याय केवल आदेश सुनाने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह विश्वास भी पैदा करता है कि अदालत ने व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता से सुनी और समझी। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

यह भी सच है कि न्याय में विलंब, लंबी कानूनी प्रक्रिया और बढ़ते मुकदमों का बोझ कई लोगों में निराशा पैदा करता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास आवश्यक हैं। जब लोगों को समय पर न्याय मिलेगा, तो निराशा और असंतोष की स्थितियां भी कम होंगी। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संतुलन बनाए रखना भी है।

इस घटना ने एक और संदेश दिया है कि न्यायालय की गरिमा बनाए रखने में सभी की समान जिम्मेदारी है। यदि अदालत में अनुशासन समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होगी और इसका नुकसान अंततः आम नागरिक को ही होगा। इसलिए चाहे वह वरिष्ठ अधिवक्ता हों, नए वकील हों या स्वयं पक्षकार, सभी को यह समझना होगा कि अदालत में शब्दों का चयन, व्यवहार की मयार्दा और कानून के प्रति सम्मान सर्वोपरि है।

दूसरी ओर न्यायपालिका की उदारता भी सराहनीय है। यदि अदालत चाहती तो अवमानना की कार्रवाई कर सकती थी, लेकिन उसने संयम दिखाया और कठोर दंड देने के बजाय मामले को वहीं समाप्त करना उचित समझा। यह निर्णय बताता है कि न्याय केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और करुणा का संतुलित स्वरूप है। हालांकि इस उदारता का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने का साहस करे। कानून का सम्मान हर परिस्थिति में अनिवार्य है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम आशा होती है। जब प्रशासन, व्यवस्था और अन्य संस्थाओं से निराश व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो उसके मन में उम्मीद की आखिरी किरण बची होती है। इसलिए अदालतों को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनके सामने खड़ा हर व्यक्ति केवल एक केस नंबर नहीं, बल्कि अपने जीवन की किसी गहरी समस्या से जूझता हुआ इंसान है। उसकी बात सुनते समय कानून के साथ मानवीय संवेदना भी बनी रहनी चाहिए।

इस घटना से देश को दो महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं। पहली, अदालत की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। न्यायालय में अपशब्द, आक्रोश और अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं। दूसरी, न्याय व्यवस्था को लोगों की पीड़ा, मानसिक तनाव और संघर्ष को भी समझना चाहिए, क्योंकि न्याय केवल निर्णय देने का नाम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने की प्रक्रिया है।

सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है और उसकी प्रतिष्ठा पूरे राष्ट्र की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। वहीं, अदालत की चौखट पर आने वाला हर व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए आवश्यक है कि एक ओर अधिवक्ता और पक्षकार अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, तो दूसरी ओर न्याय व्यवस्था भी हर पीड़ित की व्यथा को महसूस करते हुए कानून और संवेदना के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति है और यही लोकतंत्र की स्थायी पहचान भी।

संपादकीय

ज़हरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है।

निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुमार्ना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दशार्ता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

ई-20 को लेकर जन आंदोलन की तैयारी, एवरेज और गाड़ियां बर्बाद

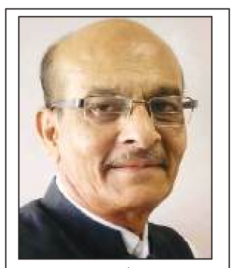

सनत जैन

सरकार ने भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल को अनिवार्य कर दिया है। पिछले 1 महीने से इस पेट्रोल के कारण देशभर के सभी राज्यों से गाड़ी का एवरेज कम होने और गाड़ियों में तरह-तरह से खराबी की शिकायतें बड़े पैमाने पर आना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोगों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है। दो पहिया और चार पहिया ऐसे करोड़ों वाहन हैं जो ई-10 पेट्रोल के लिए भी तैयार नहीं हुए हैं। मामूली मिलावट का उतना असर नहीं होता था, जितना ई-20 का होना शुरू हो गया है। जिसके कारण अब लोगों का गुस्सा पेट्रोल पंपों और सड़कों पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। सरकार यह मानने के लिए तैयार नहीं है। ई-20 पेट्रोल से गाड़ी का एवरेज कम होता है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, कि उनके वाहन का एवरेज 5 से 8 किलोमीटर तक कम हो गया है। दो पहिया वाहनों का एवरेज कम होने से गरीब और मध्यम वर्ग को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल ज्यादा कीमत में खरीदना पड़ रहा है। सरकार ने जो 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया है, उसके बाद भी पेट्रोल की कीमत कम नहीं की है। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल और मिलावटी पेट्रोल भरवाने का कोई विकल्प पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया गया। ज्यादा पैसे चुकाने के बाद कम एवरेज मिलने और गाड़ियां खराब होने के कारण पेट्रोल उपभोक्ताओं का गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है।

सरकार उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सरकार के मंत्री उपभोक्ताओं के जले के ऊपर नमक छिड़क रहे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, वह वास्तविकता के विपरीत है। इसके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री खुलेआम यह कहते हुए नजर आते हैं कि ई-20 पेट्रोल ही लेना पड़ेगा और वह सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मिलेगा। इथेनॉल की मिलावट के बाद भी उस पेट्रोल के रेट कम नहीं किए जाएंगे। रही सही कसर जब पेट्रोल पंपों से मिलावटी पेट्रोल बिक ही रहा है तो पेट्रोल पंप वाले भी इस अफरा-तफरी में अपनी ओर से भी मिलावट करने लगे हैं। पेट्रोल पंपों में अब मिलावट की जांच कर पाना भी संभव नहीं रहा। सरकार के इस रूख के कारण पेट्रोल पंप संचालकों ने भी मनमानी शुरू कर दी है। गाड़ियों के शोरूम और मैकेनिकों के यहां बड़ी संख्या में गाड़ियां मरम्मत के लिए पहुंच रही हैं। फ्यूल सिस्टम चोख हो रहे हैं। गाड़ी की टंकी खराब हो रही है। गाड़ी झटके लेकर चल रही है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन शिकायतों का निराकरण करने के स्थान पर एक तरह से वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं को धमकाने में लगी हुई है। जिसके कारण अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में जन आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा होने के बाद भी यदि सरकार इस मामले में कोई उपयुक्त निर्णय नहीं ले रही है तो यह आश्चर्य करने वाला विषय है। इससे ऐसा लगता है कि इस सरकार को जनता के गुस्से और वोट की कोई चिंता नहीं है। सरकार को विश्वास है जनता कितनी भी नाराज हो जीत तो उसी की होनी है। यही आत्मविश्वास पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बयानों में दिख रहा है। अन्यथा वह उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने की दिशा में

कार्यवाही करते। मिलावटी पेट्रोल को सरकार जब स्वयं महंगी कीमत पर बेच रही है। शुद्ध पेट्रोल 167 से 170 रुपए लीटर में बेच रही है। इससे उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले कई वर्षों से जब कच्चे तेल का दाम कम था, पेट्रोलियम कंपनियों ने लाखों करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, इसका कोई भी लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। अब पेट्रोल और डीजल के नाम पर सरकार द्वारा इथेनॉल की मिलावट कर जो लूट की तैयारी की जा रही है उसकी आम जनता के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त निर्णय लेने की जरूरत है।

गोल्ड मेडल बनाम कड़ाही का हलवा: कब तक किचन से नपेगी महिलाओं की उड़ान?

निमिषा सिंह

बधाई हो भारत! बधाई हो कानपुर यूनिवर्सिटी की उन बयासी प्रतिशत मेडल लाने वाली बेटियों को, जिन्होंने अपनी मेधा, अपने संघर्ष और अपनी रातों की नींद एक करके अकादमिक दुनिया के सर्वोच्च शिखर को छुआ है। यह आंकड़ा केवल एक सामान्य संख्या या कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह उस बदलते भारत की एक गूंजती हुई हुंकार है जो सदियों की सामाजिक बेड़ियों और घरेलू चारदीवारी को मरोड़कर बाहर निकल रहा है। लेकिन ठहरिए! जरा अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी का जश्न मनाना बंद कीजिए। अपनी डिग्रियों को आलमारी के किसी अंधेरे कोने में बंद करिए, मेडल को गले से उतारिए और चुपचाप हाथ में पेन-कॉपी या लैपटॉप की जगह कलछी, कड़ाही और बेलन थाम लीजिए। क्योंकि देश के एक सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठीं आदर्श महिला ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि आपके इन तमाम गोल्ड मेडलों की औकात ससुराल के किचन में बनने वाले उस एक कटोरी सूजी के हलवे से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसे खाकर आपकी सास को आत्मिक संतुष्टि मिल सके और वे समाज के सामने आपको एक संस्कारी बहू होने का प्रामाणिक सर्टिफिकेट दे सकें।

यह बेहद विडंबनापूर्ण, निराशाजनक और लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरी तरह से शर्मसार करने वाला दृश्य है कि जब देश की बेटियां तमाम सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए अकादमिक क्षेत्र में बयासी प्रतिशत पदकों पर अपना एकछत्र कब्जा जमा रही हैं, तब उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को उनके इस सुनहरे, उज्ज्वल और गौरवमयी भविष्य में सिर्फ एक कच्चा-पक्का हलवा और सास की गालियां ही दिखाई दे रही हैं। महामहिम का दीक्षांत समारोह के उस पावन मंच से दिया गया यह बयान केवल एक सामान्य प्रशासनिक या औपचारिक भाषण नहीं है, बल्कि यह उस गहरी और सड़ी-गली पितृसत्तात्मक सोच का जीता-जागता और भयावह दस्तावेज है, जो महिलाओं की हर सफलता, उनकी हर अद्वितीय योग्यता और उनके पूरे अस्तित्व को हमेशा किचन की चौखट और घरेलू गुलामी के तराजू पर ही तौलती आई है।

एक राज्य की मुखिया और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति से यह उम्मीद थी कि वे उन मेधावी, ऊर्जावान और आकांक्षी लड़कियों को यह सिखाएंगी कि आने वाले समय में उन्हें कॉर्पोरेट जगत के शीशे की अदृश्य छतों को कैसे ध्वस्त करना है। उनसे उम्मीद थी कि वे उन्हें मुक्केबाजी, कराटे, आत्मरक्षा, खेल और प्रशासनिक दुनिया में पुरुषों के ऐतिहासिक एकाधिकार को चुनौती देने के लिए भीतर से प्रेरित करेंगी। वे मंच से दहाड़ कर कहेंगी कि लड़कियों, यह पूरी कायनात तुम्हारी है, अपने पंख फैलाओ और पूरी ताकत से आसमान में उड़ जाओ! लेकिन अफसोस, महामहिम ने उस ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह के मंच को किसी तीसरे दर्जे के सास-बहू वाले टीवी धारावाहिक का सेट समझ लिया। वे देश की भावी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, प्रोफेसरों और प्रशासनिक अधिकारियों को यह दकियानूसी ज्ञान बांटने लगीं कि चाहे तुम कलेक्टर बनो, प्रोफेसर बनो या देश की आईएएस ऑफिसर बनो, पहले एक एक्सपर्ट मां और बावर्ची बनो, क्योंकि ससुराल में तुम्हारा पहला और अंतिम इम्तिहान तो मोबाइल देखकर बनाए गए हलवे का ही होगा।

हम जैसी महिलाएं जो रोज धरातल पर पत्रकारिता कर रही हैं, जो सामाजिक एक्टिविज्म के जरिए हाशिए की, ग्रामीण और शोषित महिलाओं के बीच जाकर दिन-रात यह अलख जगा रही हैं कि किचन के बाहर भी एक बेहद आजाद, गरिमापूर्ण और मुकम्मल दुनिया सांस ले रही है, आपके इस एक गैर-जिम्मेदाराना बयान ने हमारी सालों की मेहनत और संघर्ष पर पानी फेरने का आत्मघाती काम किया है। मैडम, आपने लड़कियों को तो बड़े प्यार और अधिकार से समझा दिया कि वे रो-धोकर, अपमानित होकर और गालियां खाकर भी हलवा बनाना सीखें और चुपचाप ससुराल के हर अत्याचार को नियति मानकर सहें। लेकिन आपने उस पूरे हॉल में बैठे लड़कों, उनके अहंकारी पिताओं और भावी पतियों को यह क्यों नहीं सिखाया कि अगर तुम्हें हलवा खाना इतना ही पसंद है, तो रसोई में जाकर खुद अपने हाथों से उसे बनाना क्यों नहीं सीख लेते? पतियों को एक संवेदनशील इंसान बनने, एक सच्चा सहयात्री बनने और घरेलू ज़िम्मेदारियों को आधा-आधा बांटने की सीख क्यों नहीं दी गई? क्या पुरुषों को इस समाज में सिर्फ बैठकर हुक्म चलाने, दूसरों की थाली में नुक्स निकालने और गालियां देने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त है?

मैं अपने पत्रकारिता और सामाजिक जीवन के कड़वे अनुभवों से शुरू से एक बात पुरजोर तरीके से कहती आई हूँ, और आज की यह घटना मेरी उस वैचारिक समझ पर एक और पक्की और मुकम्मल मुहर लगाती है कि आज के आधुनिक दौर में पितृसत्तात्मक विचारों की असली संवाहक और रक्षक पुरुष नहीं, बल्कि खुद समाज के शीर्ष पर बैठीं कुछ रूढ़िवादी महिलाएं बन चुकी हैं। यह देखना और महसूस करना इस दौर की सबसे कड़वी और दुखद हकीकत है। जिस पुरुषवादी सामाजिक व्यवस्था ने सदियों से महिलाओं का दमन किया, उन्हें पढ़ने के अधिकारों से वंचित रखा, उन्हें चारदीवारी में कैद रखा, आज उसी दमनकारी व्यवस्था की पहरेदारी, वकालत और चौकीदारी करने के लिए समाज की शीर्ष पदों पर बैठी महिलाएं खुद आगे आ रही हैं। आनंदीबेन पटेल का यह बयान कोई समाज में इकलौती या नई घटना नहीं है।

अगर हम सत्ता के ऊंचे गलियारों में झांकें, तो हमें ऐसे आत्मघाती और महिला-विरोधी बयानों की एक लंबी और शर्मनाक फेहरिस्त दिखाई देगी। जब देश की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी संसद के भीतर खड़े होकर महिलाओं के सबसे बुनियादी जैविक और स्वास्थ्य अधिकारों को पूरी तरह से खारिज करते हुए पेड पीरियड लीव यानी मासिक धर्म की छुट्टी का पुरजोर विरोध करती हैं, तो वे भी इसी पितृसत्ता की एक मजबूत पहरेदार के रूप में खड़ी नजर आती हैं। जब पश्चिम बंगाल जैसी संवेदनशील राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी वीभत्स और जघन्य गैंगरेप को सरेआम एक सजाई हुई घटना या सिर्फ एक प्रेम प्रसंग का बिगड़ना कहकर पीड़ितों की प्रामाणिकता और उनके चरित्र पर ही सवाल उठा देती हैं, तो न्याय की अंतिम उम्मीद भी वहीं दम तोड़ देती है।

जब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा अपराधियों और बलात्कारियों पर नकेल कसने के बजाय आधुनिक लड़कियों को ही देर रात बाहर न निकलने की ढालू और कायरतापूर्ण नसीहतें देने लगती हैं, तब रक्षक ही भक्षक सा महसूस होने लगता है। और हम भारतीय समाज के मानस से उस घटना को कैसे भूल सकते हैं जब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने एक महिला पत्रकार की मर्डर मिस्ट्री पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि महिलाओं को इतनी देर रात अकेले बाहर निकलकर ज्यादा साहसी नहीं होना चाहिए।

ये तमाम राष्ट्रीय उदाहरण इस बात की चीख-चीख कर गवाही देते हैं कि जब महिलाएं ही अपने भीतर की ऐतिहासिक कंडीशनिंग से खुद को मुक्त नहीं कर पातीं और व्यवस्था के शीर्ष पर बैठकर दूसरी संघर्षशील महिलाओं के पैरों में समाज की बनाई पुरानी बेड़ियां डालने लगती हैं, तो पितृसत्ता को किसी पुरुष की लाठी या किसी सामाजिक सहारे की कोई जरूरत ही नहीं रह जाती। यही वह आत्मघाती सोच है, जिसके कारण समाज की अनगिनत बेटियां, चाहे कितनी भी बड़ी-बड़ी डिग्रियां ले लें, चाहे वे जज, डॉक्टर या कलेक्टर ही क्यों न बन जाएं, अंततः दहेज, घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना की भट्टी में चुपचाप झोंक दी जाती हैं। क्योंकि यह तथाकथित सभ्य समाज उन्हें पहले एक स्वतंत्र, तार्किक और संप्रभु इंसान के रूप में स्वीकार ही नहीं कर पाता; वह उन्हें हमेशा पुरुषों की एक सेवादार और अनुगामी के रूप में ही देखना चाहता है। महामहिम और उनके जैसी संकीर्ण सोच रखने वाले इस पूरे समाज को हम आज साफ-साफ और कड़े शब्दों में यह चेता देना चाहती हैं कि महिलाएं कोई रोबोट, मशीन या कोई खिलौना नहीं हैं जिनका इस धरती पर अल्टीमेट गोल सिर्फ बच्चे पैदा करना, पुरुषों का वंश बढ़ाना और उनके लिए गोल रोटियां सेंकना है। हम एक स्वतंत्र, तार्किक, बौद्धिक और पूर्णतः संप्रभु इंसान हैं। हमारी शिक्षा, हमारी डिग्रियां और हमारी नौकरियां हमारी खुद की आर्थिक आजादी, हमारे स्वाभिमान और इस पूरे देश के विकास के लिए हैं, किसी के रूढ़िवादी घर को परेशानी-मुक्त रखने का गुलामी-पत्र नहीं।

कानपुर यूनिवर्सिटी और देश की हर एक यूनिवर्सिटी की उन तमाम जुझारू और मेधावी बेटियों को हमारा सीधा और स्पष्ट संदेश है कि अपने इन गोल्ड मेडल्स को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाओ। पढ़ना, लड़ना, हर गलत परंपरा पर तीखे सवाल करना और पुरुषों के समकक्ष खड़े होकर इस सड़ी-गली व्यवस्था को चुनौती देना ही तुम्हारा पहला और अंतिम दायित्व है। रही बात हलवे की, तो जिसे भी हलवा खाना होगा, वह अपनी भूख और पसंद के अनुसार खुद रसोई में जाएगा, गैस जलाएगा और बना लेगा। अब देश की आधी आबादी आपकी इस दकियानूसी, महिला-विरोधी और हलवा-मार्का सोच के पिंजरे में दोबारा बंद होने वाली नहीं है। हम बेखौफ उड़ना सीख चुकी हैं, और अब आसमान से नीचे हमें कुछ भी मंजूर नहीं।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड में हैदराबाद के छात्र का शव मिला, 2 महीने से लापता था; पुलिस बोली- हत्या के सबूत नहीं

हेलसिंकी, एजेंसी। फिनलैंड में पिछले दो महीने से लापता हैदराबाद के 18 साल के छात्र का शव समुद्र से बरामद हुआ है। फिनलैंड पुलिस ने कहा है कि शुरुआती जांच में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं। परिवार ने भारत सरकार से उनका शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। छात्र की पहचान मणिदीप को रुप में हुई है, जो 2025 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए फिनलैंड गया था। 5 मई को वह ट्रेन से राजधानी हेलसिंकी पहुंचा और आखिरी बार एक मार्केट स्टोर में नजर आया। परिवार के मुताबिक, 5 मई को मणिदीप ने मां से आखिरी बार बात की थी। उसने बताया था कि वह एक बेकरी में हैं और जल्द घर लौटेगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं हो सका। मामले के बाद फिनलैंड की जांच एजेंसियों, हेलसिंकी पुलिस और कोस्ट गार्ड ने कई हफ्तों तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार 9 जुलाई को समुद्र से उनका शव बरामद हुआ।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्या: बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की। स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के बेटे ने टैक्स से बचने के लिए बदला नाम?

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार से जुड़ा एक और नया विवाद सामने आया है। नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू ने अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया है। लीक हुए डेटा के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे ने यह काम पिछले दो सालों के दौरान ही किया है। क्योंकि 2024 में टैक्स भरने के दौरान उन्होंने अपने जन्म वाले नाम का ही प्रयोग किया था। लेकिन 2026 में जब उन्होंने टैक्स फाइलिंग की, तो अपना नाम बदलकर 'योनातन हुन' कर लिया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू परिवार टैक्स और भ्रष्टाचार के मामलों में फंसा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े बेटे के इस कदम को भी शक की नजर से देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि 34 साल के एक्टिविस्ट और पीएम नेतन्याहू के बेटे ने किन वजहों से यह नाम बदला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने नाम में यह बदलाव रेगुलेटरी अपडेट उनके मौजूदा नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर के तहत किया गया है। इसमें उन्होंने अपना रेसिडेंशियल एड्रेस बस 'बाल्फोर 0' के नाम से दिया है। यह एड्रेस इजरायल के प्रधानमंत्री आवास की तरफ इशारा करता है। पिछले कई सालों से युद्ध में उलझे इजरायल के लोगों के बीच में प्रधानमंत्री के बेटे द्वारा नाम बदलने को लेकर काफी चर्चा है। लोग इस फैसले के पीछे के मकसद को लेकर बंटे हुए हैं। क्योंकि एक तरफ जहां युद्ध के लिए सभी रिजर्व सैनिकों को बुलाया जा चुका है, वहीं 34 वर्षीय योनातन हुन 2023 से फ्लोरिडा में रह रहे हैं। विदेश में रहने की वजह से इजरायल में उनकी कड़ी आलोचना भी हुई थी। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने युद्ध में लड़ने से बचने के लिए यह तरकीब अपनाई है, वहीं कई लोग इसे टैक्स से जोड़कर देख रहे हैं। इजरायल के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार ने भले ही बेटे के नाम बदलने को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी हो, लेकिन लोगों ने इसका मतलब निकालना शुरू कर दिया है।

ईरान का विध्वंसक पलटवार! कतर-श्व और बहरीन पर दागीं मिसाइलें; खाड़ी देशों में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब चरम पर पहुंच गया है और युद्ध की आग पूरे क्षेत्र में फैलती नजर आ रही है। रविवार सुबह ईरान ने अमेरिका के साथ जारी संघर्ष में एक बड़ा कदम उठाते हुए खाड़ी के प्रमुख देशों संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन और जॉर्डन पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हड़कंप मच गया है और कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिए हैं।

कतर और बहरीन में सायरन की गूंज : कतर की राजधानी दोहा में रविवार सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे वहां रहने वाले लोग दहशत में आ गए। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे देश के नागरिकों के मोबाइल फोन पर एक आपातकालीन सुरक्षा अलर्ट भेजा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा खतरे का स्तर वर्तमान में बहुत अधिक है, इसलिए सभी नागरिक और प्रवासी अपने घरों या सुरक्षित स्थानों के भीतर ही रहें। वहीं, बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी अपने क्षेत्रों में 'एयर रेड सायरन' चालू कर दिए हैं और लोगों से शांत रहते हुए नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

यूएई का एयर डिफेंस सिस्टम एक्शन में : ईरान की ओर से दागी गईं मिसाइलों को रोकने के लिए संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी पूरी सैन्य ताकत झोंक दी है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक पुष्टि की है कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश के विभिन्न हिस्सों में ईरान की ओर से दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और आक्रामक ड्रोनों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि शहर में सुनी गई धमाकों की आवाजें वास्तव में ईरानी मिसाइलों को मार गिराने की कार्रवाई का परिणाम थीं।

'खून का बदला' : ईरान की यह कार्रवाई उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन और उनके जनाजे की रस्मों के तुरंत बाद शुरू हुई है। ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अमेरिका द्वारा किए गए हमलों का 'खून का बदला' लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने भी पहले ही चेतावनी दी थी कि वे अपनी जमीन पर हुए किसी भी हमले का पूरी ताकत से जवाब देंगे।

होर्मुज विवाद के बाद बढ़ी टेंशन

ईरान का यह पलटवार दरअसल अमेरिका द्वारा ईरानी शहरों बुशहर, बंदर अब्बास, सिरिक और चाबहार पर की गई बमबारी के जवाब में है। तनाव का मुख्य केंद्र 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुजट' है, जिसे रविवार से आईआरजीसी ने बंद कर दिया है। आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य आगे की सूचना मिलने तक बंद रहेगा। यह स्थिति तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरे क्षेत्र में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो जाता। अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा, करीब 140 ठिकानों को बनाया निशाना: अमेरिकी सेना : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को कहा कि उसने ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सेना के अनुसार, इन हमलों में करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने बताया कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने वाली जगहें, हथियार और गोला-बारूद रखने के ठिकाने, संचार उपकरण और अन्य स्थान शामिल थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से ईरान की उस क्षमता को कमजोर किया गया है, जिसके जरिये वह होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने रविवार सुबह इसके जवाब में बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाकर हमले किए।

हमले के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ाः यूकेएमटीओ : यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले का निशाना बने मालवाहक जहाज के चालक दल ने जहाज छोड़ दिया है और लाइफबोट में सवार हो गया है। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह जानकारी सैन्य अधिकारियों और जहाज की सुरक्षा टीम के अधिकारी से मिली है। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक, जहाज के चालक दल का एक सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और इंजन कक्ष को भारी नुकसान होने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख सका।

अरबों डॉलर का निवेश, फिर भी इंसानों की जगह नहीं ले सके रोबोट; ह्यूमनॉइड रोबोट का कारोबार तेजी से बढ़ा

हांगकांग/बीजिंग , एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन ने ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में उल्लेखनीय बढ़त बनाई है। चीन की कंपनियां दुनिया में सबसे अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रही हैं और सरकार इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। हालांकि, इन रोबोटों का तेजी से बढ़ता किराया कारोबार यह भी दिखा रहा है कि मौजूदा तकनीक अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है कि कारखानों, दफ्तरों या घरों में बड़े पैमाने पर इन्सानों की जगह ले सके। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में पिछले एक वर्ष के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट किराये पर उपलब्ध कराने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। प्रदर्शनी, व्यावसायिक आयोजनों, प्रचार अभियानों और विवाह प्रस्ताव जैसे विशेष कार्यक्रमों में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इन रोबोटों की मांग बढ़ी है। एक रोबोट का दैनिक किराया लगभग 3,000 से 3,500 युआन तक है और कई मामलों में इसके साथ प्रशिक्षित ऑपरेटर भी उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन में 1.53 लाख से अधिक रोबोट किराया कारोबार पंजीकृत हो चुके हैं। इन चुनौतियों के बावजूद चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को भविष्य की रणनीतिक तकनीक मान रही है। इस वर्ष सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वर्ष के अंत तक 100 से अधिक उच्च-मूल्य वाले व्यावहारिक क्षेत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है।बीजिंग का मानना है कि घटती कार्यशील आबादी और धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच रोबोट भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं। साथ ही चीन इस क्षेत्र में अमेरिका, जापान और यूरोप पर तकनीकी बढ़त हासिल करना चाहता है। बाजार अनुसंधान संस्थानों के अनुसार दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माण में चीन सबसे आगे निकल चुका है। देश में 140 से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग और मजबूत विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला का लाभ मिलने से चीनी कंपनियां उत्पादन लागत तेजी से कम करने में सफल रही हैं। निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया में लगभग एक अरब ह्यूमनॉइड रोबोट उपयोग में हो सकते हैं।

स्पेन के जंगलों में भीषण आग: 12 की मौत, 23 लापता, हजारों हेक्टेयर राख

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के अल्मेरिया प्रांत में भीषण जंगल की आग ने विदेशी नागरिकों की बस्ती को तबाह कर दिया. हादसे में 12 लोगों की मौत, 23 लोग लापता और 8 घायल हुए हैं. आग अब तक 3,200 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र जला चुकी है. यूरोप में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और सूखे ने वाइल्डफायर का खतरा बढ़ा दिया है.

स्पेन के दक्षिणी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग ने भारी तबाही मचाई है. आग की चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग अब भी लापता हैं. मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. यह हाल के वर्षों में स्पेन की सबसे घातक जंगल की आग में से एक मानी जा रही है. यह आग गुरुवार देर रात अल्मेरिया प्रांत में सिएरा डे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक दूरदराज इलाके में लगी, जहां बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक रहते हैं. उस समय पूरे स्पेन में भीषण गर्मी पड़ रही थी और सूखे की वजह से हालात पहले से ही खराब थे. ज्यादातर लोगों की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने अधिकारियों की घर के अंदर सुरक्षित रहने की सलाह नहीं मानी. कई लोग अपनी कारों से भागने लगे, जबकि कुछ पैदल निकल पड़े. कुछ लोग सूखी नदी के रास्ते भागे, लेकिन वह रास्ता उनके लिए मौत का जाल साबित हुआ. अधिकारियों के मुताबिक, चार मृतकों के ब्रिटिश नागरिक होने की आशंका है क्योंकि उनकी जली हुई कार में दाईं ओर स्टीयरिंग था, जैसा ब्रिटेन की गाड़ियों में होता है.

सात लोगों की मौत कार छोड़कर पैदल भागने के दौरान हुई. आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है. करीब 150 दमकलकर्मी और स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट के 220 जवान आग बुझाने में जुटे थे. अब तक आग 3,200 हेक्टेयर (करीब 7,900 एकड़) जंगल और खेती की जमीन को जला चुकी है. इलाके की ऊबड़-खाबड़, सूखी जमीन, झाड़ियां, सूखी घास और तेज हवाएं आग बुझाने में सबसे बड़ी चुनौती बन रही हैं. लगातार पड़ रही हीटवेव ने पूरे इलाके को बारूद की तरह ज्वलनशील बना दिया है.

चीन पर 'बावी' का कहर... 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी

बीजिंग, एजेंसी। प्रकृति के प्रकोप से जूझ रहे चीन में शनिवार रात एक और बड़ी आपदा ने दस्तक दी। शक्तिशाली तूफान 'बावी' शनिवार रात करीब 11:20 बजे पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह इस साल का नौवां तूफान है, जिसने काउंटी स्तर के शहर युहुआन में लैंडफॉल किया।

जिस समय यह तूफान तट से टकराया, उस वक्त हवाओं की अधिकतम रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड (करीब 144 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

20 लाख लोगों का ऐतिहासिक रेस्क्यू : ऑपरेशन तूफान की गंभीरता और इससे होने वाले संभावित जान-माल के नुकसान को देखते हुए चीनी प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए हैं। चीन के पूर्वी हिस्से से अब तक लगभग 20 लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया है। आपातकालीन स्थिति को देखते हुए राजधानी बीजिंग समेत देश के कई बड़े शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और राहत दलों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रणाली चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी चार स्तरीय चेतावनी प्रणाली में सबसे उच्च स्तर का 'रेड अलर्ट' भारी बारिश के लिए जारी किया है। इसके साथ ही, तूफान के खतरे को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' भी लागू किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 24 घंटों में झेजियांग, उत्तरी फुजियान, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी और दक्षिणी अनहुई सहित देश के एक बड़े हिस्से में अत्यधिक मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं, बीजिंग और हेबेई के कुछ हिस्सों में भी भारी जलजमाव और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन में तबाही मचाने से पहले इस तूफान ने पड़ोसी क्षेत्रों में भी काफी नुकसान पहुंचाया है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, शनिवार को जब 'बावी' ताइवान के उत्तर से गुजरा, तब वहां 113 लोग घायल हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से ताइवान के ज्यादातर इलाकों में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए और करीब 14,200 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया। वहीं, जापान के ओकिनावा प्रांत में ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है और पूरे इलाके में 200 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से तटीय क्षेत्रों से दूर रहने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश से नदियों के जलस्तर में वृद्धि और पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा भी बढ़ गया है।

4000 जवान और रेंजर्स की 7 विंग; पीओके में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में आसिम मुनीर?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 15 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शनों और लॉन्ग मार्च से पहले वहां की स्थानीय कठपुतली सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले प्रदर्शन और अशांति को दबाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने पाकिस्तान की सरकार से हजारों अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। सीएनएन-न्यूज 18 ने एक गोपनीय आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से कहा है कि वहां के गृह विभाग ने इस्लामाबाद से 4,000 जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स की सात विंग्स की तत्काल तैनाती की गुहार लगाई है। यह आपातकालीन कदम हाल के हफ्तों में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर और सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद भड़के भयंकर जन आक्रोश की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को 8 जुलाई को भेजा गया यह पत्र बेहद संवेदनशील है, जिस पर अति आवश्यक और गोपनीय लिखा गया है। यह आदेश साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान समर्थित स्थानीय प्रशासन जेएएसी द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन से बुरी तरह घबराया हुआ है। प्रशासन ने समिति पर लंबे मार्च, विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने का आरोप लगाया है। सरकार का दावा है कि इस आंदोलन के कारण पूरे क्षेत्र में एक अस्थिर सुरक्षा संकट पैदा हो गया है, जिससे निपटना अब स्थानीय सुरक्षा तंत्र के बस की बात नहीं रहा।

आधे जवानों के पास होंगे हथियार, आधे के पास दंगा-रोधी गियर : गोपनीय दस्तावेज के अनुसार मांगी गई यह अतिरिक्त फोर्स पीओके में पहले से ही तैनात भारी सुरक्षा बलों के अलावा होगी। दस्तावेज में साफ लिखा गया है कि इन सैनिकों की जरूरत प्रदर्शनों के खतरे को बेअसर करने, प्रशासन के इकबाल को बनाए रखने और थके हुए सुरक्षा अमले को मदद देने के लिए है। प्रशासन ने मांग की है कि आने वाले सुरक्षाकर्मियों में से 50 प्रतिशत पूरी तरह से आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद से लैस होने चाहिए, जबकि शेष 50 प्रतिशत को दंगा-रोधी गियर दिया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि दंगा-रोधी उपकरणों की कोई कमी हो तो उसे बल की तैनाती से पहले पाकिस्तान के केंद्रीय स्टॉक से पूरा किया जाए। पीओके प्रशासन ने इस पूरी अशांति के लिए सीधे तौर पर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। सरकार का आरोप है कि पुंछ और रावलकोट में लगातार धरने दिए जा रहे हैं और पड़ोसी जिलों में रैलियां आयोजित कर लोगों को भड़काया जा रहा है। प्रशासन ने यह सनसनीखेज दावा भी किया है कि प्रतिबंधित समूहों से जुड़े सशस्त्र लोग मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजनों में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन; 3 दिन में 3 आत्मदाह:बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था 2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से। बालेन शाह का प्रभाव केवल प्रशासन तक सीमित नहीं रहा। पिछले साल सितंबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान उनके गाने युवाओं के बीच गूंजते रहे। इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत हुई थी और इसके पीछे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और धीमी अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा था। 5 मार्च को हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की, जिससे नेपाल की पारंपरिक राजनीति को बड़ा झटका लगा। बालेन शाह ने झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को हराकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की। 35 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद संभालते ही वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं।

वेनेजुएला भूकंप मामले में 4,333 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा, राहत कार्य के लिए लगभग 30 हजार लोग आए सामने

काराकास, एजेंसी। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप के झटकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,333 हो गई है। वहीं, राहत कार्य में मदद करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि 16,740 लोग घायल हुए हैं और 6,462 लोगों को बचाया गया है। अधिकारियों ने 18,000 से ज्यादा लोगों के लिए 94 अस्थायी कैंप बनाए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि आपदा के मुश्किल समय में पीड़ितों की मदद के लिए लगभग 30,000 स्वयंसेवक सामने आए और सरकार ने उन्हें घर बनाने और रिपेयरिंग के कामों में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है।

रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन लोगों को घर देने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है जिन्होंने अपने घर हमेशा के लिए खो दिए हैं और जिन घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है, उन्हें ठीक करने की जरूरत है। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल-फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल असेंबली रेंटल लॉ में सुधार करने और भूकंप से प्रभावित परिवारों को घर खरीदने में मदद करने के लिए क्रेडिट और सब्सिडी सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ेगी। अमेरिका और दूसरे देशों के आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से विदेश में जमा वेनेजुएला के फंड के बारे में, रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अलग-अलग सरकारों को चिट्ठी भेजकर उन एसेट्स को रिलीज करने की अपील की है। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी कराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है। रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।'

रोड्रिग्ज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।

जानकारी

चीज खाने के फायदे और नुकसान

अगर चीज को पनीर का आधुनिक रूप कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। पनीर की तरह यह भी एक तरह का डेयरी पदार्थ है, जिसे दूध से बनाया जाता है। जहां पनीर को बनाने के लिए दूध में खटास का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, चीज के निर्माण के लिए दूध में बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया जाता है। चीज दो तरह के होते है, सॉफ्ट और हार्ड चीज। यह दिखने में पनीर की तरह होता है, लेकिन स्वाद में पनीर से बिल्कुल अलग और मीठा होता है। यह कई तरह के पोषक तत्व से भरपूर होता है, जो कि आपके लिए लाभदायक हो सकता है। इसके पोषक तत्वों के बारे में हम आगे लेख में जिक्र करेंगे।

कैविटी

कैविटी के कारण दांतो के खराब होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में चीज के सेवन से दांतो में कैविटी होने के जोखिम को कम किया जा सकता है। चीज में कैरोस्टेटिक गुण पाए जाते हैं, जो कैविटी को कम करने का काम कर सकते हैं। साथ ही यह कैल्शियम का अच्छा स्रोत होता है, जो आपके दांत को लाभ पहुंचाने में फायदेमंद हो सकता है।

कैंसर

एक शोध के अनुसार, चीज का सेवन करने से कोलोरेक्टल व ब्रैस्ट कैंसर आदि से बचा जा सकता है। चीज में कैल्शियम व विटामिन-डी जैसे गुण पाए जाते हैं, जो कैंसर से हमारी रक्षा करते हैं ।

वजन बढ़ाने के लिए

अगर आप दुबले-पतले हैं, तो आपके वजन को बढ़ाने में चीज अहम भूमिका निभा सकता है। चीज में प्रोटीन, कैलोरी और वसा भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपके वजन को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं ।

हड्डियों की मजबूती के लिए

चीज के लाभ हड्डियों के लिए भी हो सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, चीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत करने का काम करता है। इसके कारण ऑस्टियोपोरोसिस जैसे हड्डियों से संबंधित रोगों को दूर रखने में भी मदद मिल सकती है । ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों कमजोर हो जाती है और उनके टूटने की आशंका बनी रहती है।

उच्च रक्तचाप के लिए

रक्तचाप बढ़ने से हृदय संबंधी विकार उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में चीज का उपयोग इस समस्या को कम करने में सहायक हो सकता है। चीज़ को रक्तचाप को कम करने वाली डैश (DASH) डाइट में भी शामिल किया जाता है। दरअसल, चीज में सोडियम और प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है, जो रक्तचाप को नियंत्रण करने का काम कर सकते हैं। इसलिए, चीज के लाभ उच्च रक्तचाप के लिए भी माने जा सकते हैं।

प्रेगनेंसी में लाभदायक

गर्भावस्था के दौरान चीज खाने को लेकर भी आपके मन में कुछ संशय जरूर होगा। अगर ऐसा है, तो यहां आपको इसका जवाब मिल जाएगा। गर्भावस्था के दौरान सॉफ्ट चीज के जगह हार्ड चीज का सेवन करना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है । चीज में कैल्शियम, विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भ्रूण की हड्डियों की संरचना में मदद कर सकते हैं। साथ ही जन्म दोष (रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क से संबंधित) की समस्या से भी छुटकार दिलाने का काम कर सकते हैं।

प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम

लगभग हर युवती को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम से गुजरना पड़ता है। पीरियड्स से हफ्ते भर पहले होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम कहा जाता है। इस अवस्था में युवती को चिड़चिड़ापन, पेट में दर्द व सिरदर्द हो सकता है। एक वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, चीज के सेवन से प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम के समय होने वाली थकान, अवसाद और खाने की लालसा को कम किया जा सकता है। यह चीज में पाई जाने वाली कैल्शियम की मात्रा के कारण संभव हो पाता है।

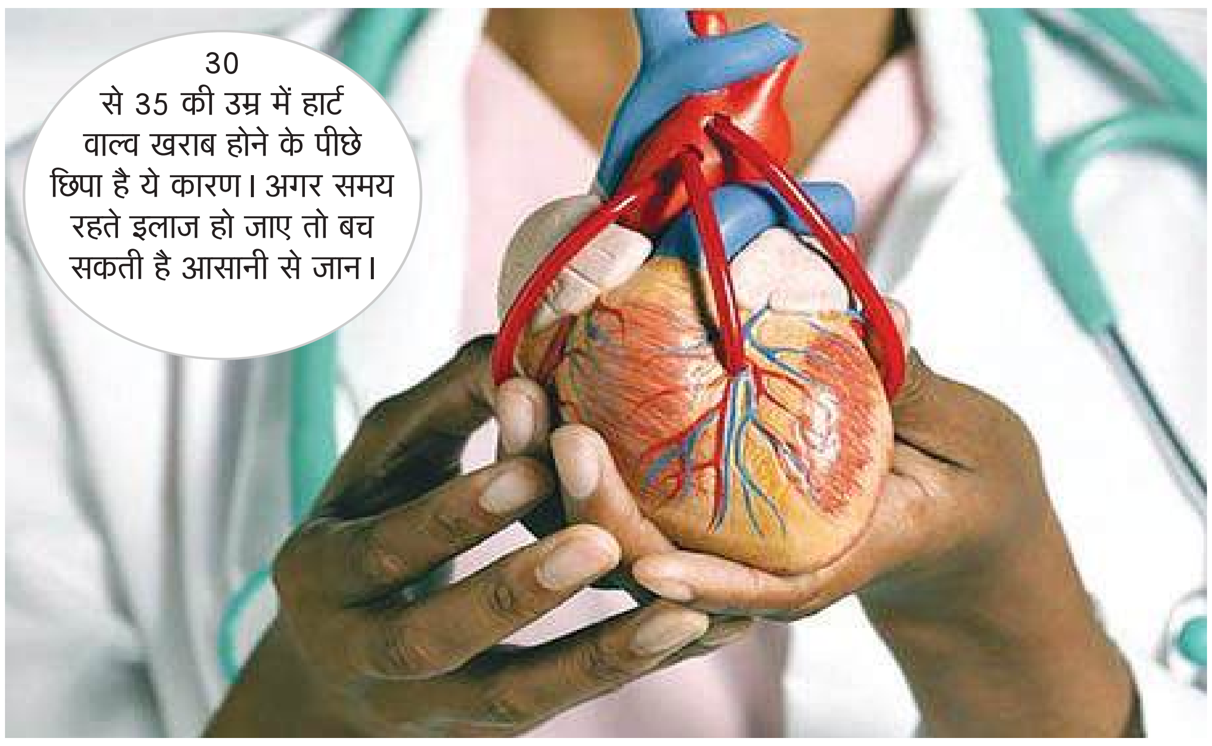

रूमेटिक हार्ट डिजीज क्या है

कॉर्डियोलॉजिस्ट से जानें इसके लक्षण, जोखिम और इलाज

रूमेटिक हार्ट डिजीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रूमेटिक फीवर के कारण हार्ट के वाल्व स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का अगर इलाज न किया जाए या फिर इलाज अधूर छोड़ दिया जाए तो कुछ दिनों के भीतर ही हार्ट वॉल्व को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में प्रतिक्रिया शरीर में इंफ्लेमेटरी स्थिति का कारण बनती है, जिसके परिणामस्वरूप वाल्व खराब हो सकता है और लोगों को हार्ट अटैक आ सकता है। रूमेटिक फीवर एक इंफ्लेमेटरी रोग है, जो शरीर के कई कनेक्टिव टिश्यू को प्रभावित करते हैं, विशेषकर हृदय, जोड़ों, स्किन और मस्तिष्क को। इस कारण हमारे हार्ट के वाल्व संक्रमित हो जाते हैं और समय के साथ-साथ खराब होते चले जाते हैं। संक्रमित होने के बाद करीब 10 वर्षों तक वाल्व पूरे तरीके से खराब हो जाते हैं और परिणामस्वरूप हार्ट फ्लेयोर हो जाता है।

डॉ. विवेक कुमार ने ओन्ली माई हेल्थ को बताया कि रूमेटिक फीवर किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन आमतौर पर ये 5 साल से 15 साल की उम्र के बच्चों में होता है। इस बीमारी को पूर्ण रूप लेने में कम से कम 10 साल का वक्त लगता है। ये सामान्य तौर पर अफ्रीका, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और गरीब देशों में होता है। वहीं भारत के बिहार, उड़ीसा, झारखंड और पड़ोसी देश नेपाल में इस रोग से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि अगर इस बीमारी का इलाज सही समय पर न किया जाए तो 30 से 35 साल तक की उम्र होते-होते किसी भी व्यक्ति की जान जा सकती है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज से जोखिम किसको

अगर खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का इलाज न किया जाए तो रूमेटिक हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ जाता है। वे बच्चे, जिनका गला बार-बार खराब होता है उनमें रूमेटिक फीवर और रूमेटिक हार्ट डिजीज का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण

गले में संक्रमण या रूमेटिक फीवर का इतिहास रूमेटिक हार्ट रोगों के निदान के लिए बहुत जरूरी है। रूमेटिक फीवर के लक्षण अलग-अलग होते हैं और आमतौर पर गला खराब होने के 1 से 6 सप्ताह बाद शुरू होते हैं। कुछ मामलों में सांक्रमण को पहचानना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि इसके लक्षण दिखाई नहीं देते।

रूमेटिक फीवर के आम लक्षण

बुखार: घुटनों और टखनों में सूजन, लालपन और बेहद ज्यादा दर्द।

त्वचा में गांठ बन जाना। छाती, पीठ और पेट पर रैशेज।

सांस लेने में दिक्कत और सीने में जकड़न। हाथ, पैर या मांसपेशियों में हलचल।

कमजोरी।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण वाल्व के क्षतिग्रस्त होने पर निर्भर करते हैं जैसे

- सांस लेने में दिक्कत,
- खासकर जब आप लेटे हुए हों।
- सीने में दर्द
- सूजन।

रूमेटिक हार्ट डिजीज का निदान

रूमेटिक हार्ट डिजीज से पीड़ित लोगों को या तो गले में संक्रमण होगा या उन्हें हाल ही में ऐसा हुआ होगा। संक्रमण की जांच के लिए ब्लड टेस्ट किया जा सकता है। इसके अलावा रूमेटिक हार्ट डिजीज की पहचान के लिए ये टेस्ट किए जा सकते हैं।

- इकोकार्डियोग्राम (इको)
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी)
- चेस्ट एक्स-रे
- कार्डियक एमआरआई
- ब्लड टेस्ट

कैसे होता है रूमेटिक हार्ट डिजीज का उपचार

इस रोग का उपचार इस बात पर निर्भर करता है आपके हृदय वाल्व को कितना नुकसान हुआ है। गंभीर मामलों में इलाज के दौरान क्षतिग्रस्त वाल्व को बदलने या उसे ठीक करने के लिए सर्जरी शामिल हो सकती है। रूमेटिक फीवर को रोकने का सबसे अच्छा उपचार है एंटीबायोटिक्स, जिन्हें आमतौर पर गले के संक्रमण के उपचार में लिया जाता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का उपयोग सूजन को कम करने और हृदय को होने वाले नुकसान कम करने के लिए किया जा सकता है।

सेहत

हल्दी के फायदे

जैसा कि हम जानते हैं हल्दी में करक्यूमिन नामक अहम यौगिक होता है, जो अर्थराइटिस व कैंसर जैसी कई समस्याओं से हमें बचाता है। हल्दी के औषधीय गुण हमारे लिए कई प्रकार फायदेमंद हो सकते हैं, जो इस प्रकार हैं।

लिवर को करती है डिटॉक्सीफाई

हल्दी के औषधीय गुण के रूप में आप इसका इस्तेमाल शरीर को डिटॉक्सीफाई करने के लिए कर सकते हैं। मेरीलैंड मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के अनुसार, करक्यूमिन गाल ब्लैडर यानी पित्त मूत्राशय में बाइल (पित्त) के उत्पादन को बढ़ाता है। लिवर इस बाइल का प्रयोग विषैले जीवाणुओं को बाहर निकालने में करता है। इसके अलावा, बाइल के कारण लिवर में जरूरी सेल्स का निर्माण भी होता है, जो हानिकारक तत्वों को खत्म करने का काम करते हैं। करक्यूमिन की डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया इतनी प्रभावशाली है कि इसका इस्तेमाल मरकरी के संपर्क में आए व्यक्ति का इलाज करने तक में किया जा सकता है।

डायबिटीज

वैज्ञानिकों के अनुसार, करक्यूमिन रक्त में ग्लूकोज के स्तर को कम कर सकता है। इससे डायबिटीज से आराम मिल सकता है। एक अन्य शोध के तहत, डाबिटीज के मरीज को करीब नौ महीने तक करक्यूमिन को दवा के रूप में दिया गया। इससे मरीज में सकारात्मक परिणाम नजर आए। इन अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिकों ने माना कि हल्दी के सेवन से डायबिटीज से ग्रस्त मरीज का इम्यून सिस्टम बेहतर हो सकता है। डायबिटीज से ग्रस्त चूहों पर हुए अध्ययन में भी पाया गया कि करक्यूमिन सप्लीमेंट्स के प्रयोग से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस का स्तर बढ़ने से हृदय संबंधी रोग भी हो सकते हैं। इस लिहाज से हल्दी खाने के फायदे में डायबिटीज को ठीक करना भी है।

प्रतिरोधक क्षमता में सुधार

हल्दी के गुण में इसका प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करना भी शामिल है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो प्रतिरोधक प्रणाली को बेहतर कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध में पाया गया है कि करक्यूमिन हृदय रोग व मोटापे का कारण बनने वाले सेल्स को बनने से रोकता है। साथ ही यह प्रतिरोधक प्रणाली को एक्टिव कर टीबी का कारण बनने वाले हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर सकता है। हल्दी में करक्यूमिनोइड्स नामक यौगिक भी होता है, जो टी व बी सेल्स (श्वेत रक्त कोशिकाएं) जैसे विभिन्न इम्यून सेल्स की कार्यप्रणाली को बेहतर करता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है।

कैंसर

हल्दी में एंटी कैंसर गुण भी पाए जाते हैं। कई वैज्ञानिक शोधों में भी माना गया है कि कैंसर की रोकधाम में हल्दी का प्रयोग किया जा सकता है। शोध के दौरान पाया गया कि कुछ कैंसर ग्रस्त मरीजों को हल्दी देने से उनके ट्यूमर का आकार छोटा हो गया था। इतना ही नहीं कैंसर को खत्म करने में सक्षम इम्यून सिस्टम में मौजूद केमिकल भी एक्टिव हो जाते हैं। एक चाइनीज अध्ययन के अनुसार, करक्यूमिन ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करने में भी कारगर है। इसलिए, कैंसर की रोकथाम के लिए हल्दी का उपयोग किया जा सकता है।

वजन नियंत्रण व मेटाबॉलिज्म

यह तो आप सभी जानते हैं कि मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। इसके कारण न सिर्फ आपकी हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि शरीर में कई जगह सूजन भी आ जाती है। इससे डायबिटीज व हृदय रोग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। वहीं, हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी व अन्य गुण होते हैं, जो इन समस्याओं से आपको राहत दिला सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल व उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर सकती है। इन दो परिस्थितियों में भी वजन बढ़ने लगता है। हल्दी के गुण में वजन को नियंत्रित करना भी है। जब आपका वजन बढ़ता है, तो फैट टिशू फैल जाते हैं और नई रक्त वाहिकाओं का निर्माण होता है। ऐसे में करक्यूमिन इन नई रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकता है, जिससे वजन कम हो सकता है। फिलहाल, यह शोध अभी तक सिर्फ चूहों पर किया गया है। यह मनुष्यों के लिए कितना कारगर है, उस पर रिसर्च किया जाना बाकी है एक कोरियन स्टडी के अनुसार, हल्दी मेटाबॉलिज्म प्रणाली को बेहतर करती है और नए फैट को बनने से रोकती है। इसके अलावा, हल्दी कोलेस्ट्रॉल स्तर को भी नियंत्रित करती है, जिससे वजन का बढ़ना रुक सकता है। प्रोटीन से भी शरीर का वजन बढ़ता है, ऐसे में हल्दी अधिक प्रोटीन के निर्माण में बाधा पहुंचाती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हल्दी वजन कम करने और मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों से बचाने में हमारी मदद करती है। यहां स्पष्ट कर दें कि हल्दी फैट सेल्स को तो कम करती है, लेकिन भूख को किसी तरह से प्रभावित नहीं करती है। इसलिए, हल्दी का प्रयोग पूरी तरह से सुरक्षित है ।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 5010

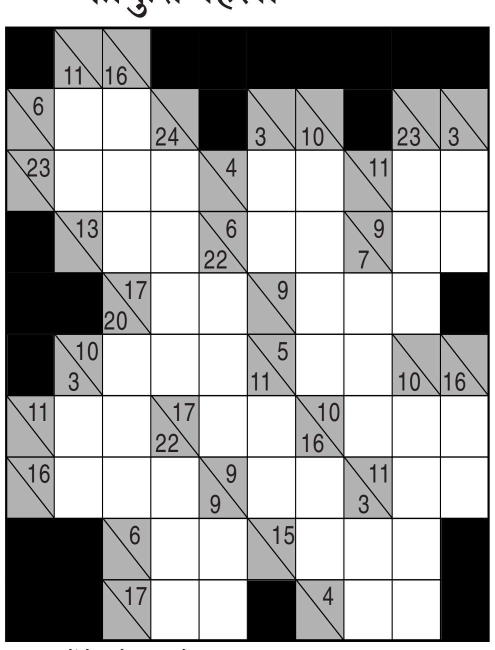

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः: 11/7 → 1 2 3 5; ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5009 का हल

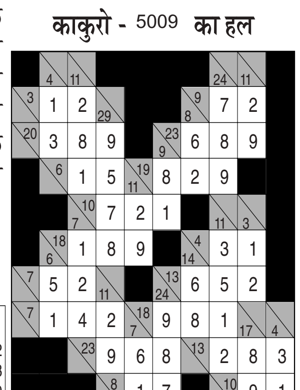

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 5010

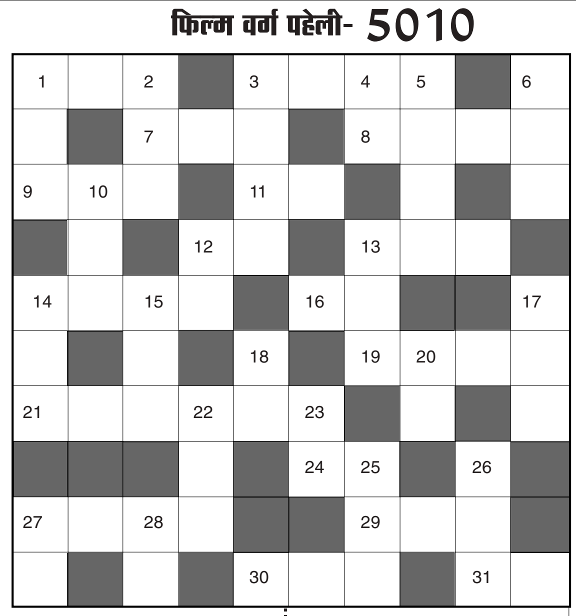

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5009 हल

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रो	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

सूडोकु 5010

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5009 हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली 5010

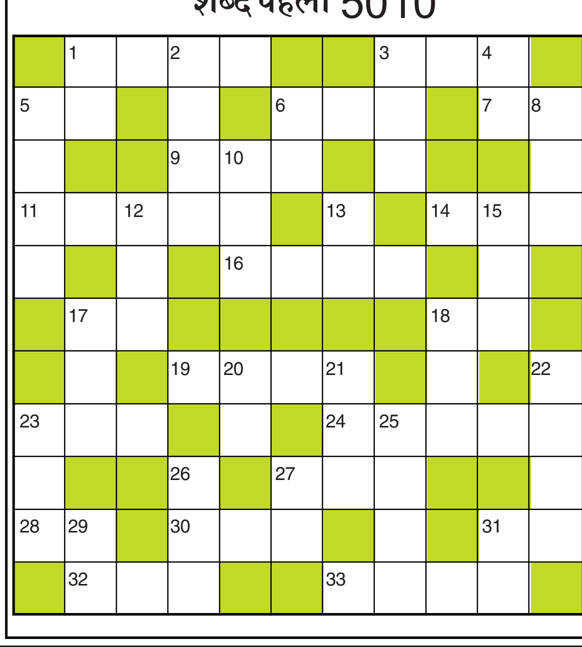

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली - 5009 हल

■	स	ह	का	रि	ता	■	अ	चा	न	क
हा	र	■	य	■	ना	वि	क	■	त	र
थ	■	त	र	जु	मा	■	ल	ता	■	दा
मा	कू	ल	■	■	र	थ	■	क	वि	ता
र	■	घ	■	फ	ना	■	खा	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	रा	ज	म	ह	ल
■	थ	■	त	■	मो	ह	■	ह	■	प
क	ना	त	■	रा	ह	■	■	क	पा	ल
र	■	ना	प	■	त	म	क	ना	■	पा
ता	ना	■	ली	ड	र	■	थ	■	का	ना
र	च	यि	ता	■	मा	ख	न	चो	र	■

हासीपहाड़ी में हथियार-जिंदा कारतूस के साथ झारखंड का युवक गिरफ्तार, चार दिन की पुलिस रिमांड

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। सालानपुर थाना क्षेत्र के हासीपहाड़ी स्थित केबल्स क्वार्टर इलाके से पुलिस ने एक युवक को देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान झारखंड के धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमारडूबी मैथन मोड़ निवासी 28 वर्षीय सागर यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम रूपनारायणपुर पुलिस चौकी की गश्ती टीम हासीपहाड़ी स्थित केबल्स क्वार्टर इलाके में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। पुलिस वाहन को देखते ही वह भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

तरनतारन पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई 10.9 किलो हेरोइन बरामद की

तरनतारन। तरनतारन पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारतीय क्षेत्र में गिराई गई 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद हेरोइन की कीमत करीब 55 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार वल्टोहा पुलिस स्टेशन को देर रात सूचना मिली थी कि गांव लखना के बहकान के पास जसविंदर सिंह पुत्र बाली सिंह के खेतों में ड्रोन के जरिए कुछ पैकेट गिराए गए हैं। इसके बाद वल्टोहा थाने के हेड सब-इंस्पेक्टर विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ गांव लखना पहुंचे और सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान पुलिस और सीमा सुरक्षा बल की टीम ने खेतों से एक प्लास्टिक बैग और कुछ खुले पैकेट बरामद किए। जब इनका वजन किया गया तो कुल 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन को जब्त कर लिया है। वल्टोहा पुलिस स्टेशन में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीमा पार तस्करी के इस नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

13 जुलाई 1931 के शहीदों को फारूक और उमर अब्दुल्ला की श्रद्धांजलि, बोले- एनसी उनकी विरासत की सच्ची संरक्षक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और पार्टी के उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 13 जुलाई 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को जम्मू-कश्मीर में न्याय, सम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई का निर्णायक अध्याय बताया। 95वें 'यौम-ए-शुहदा' (शहीद दिवस) की पूर्व संध्या पर जारी संयुक्त संदेश में दोनों नेताओं ने कहा कि 13 जुलाई 1931 का दिन तत्कालीन रियासत जम्मू-कश्मीर में निरंकुश शासन, दमन और अन्याय के खिलाफ जन आंदोलन की शुरुआत का ऐतिहासिक मोड़ था। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि 13 जुलाई 1931 को 21 निहत्थे कश्मीरियों ने बुनियादी नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की मांग करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए थे। उन्होंने कहा कि इस घटना ने शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व में मानवाधिकार, सम्मान और न्याय के लिए चले लंबे जन आंदोलन की नींव रखी। उन्होंने कहा, 'सम्मान की भावना को अन्याय से दबाया नहीं जा सकता। 13 जुलाई के शहीदों ने साबित किया कि धैर्य और शांतिपूर्ण संघर्ष की भावना अंततः अत्याचार पर विजय प्राप्त करती है। मैं उन सभी वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और विशेष रूप से युवाओं से अपील करता हूं कि वे अपने सामूहिक संघर्ष के इतिहास से जुड़े रहें।' मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 13 जुलाई के शहीदों का बलिदान हमेशा मानवता के सम्मान, न्याय और मौलिक अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक बना रहेगा।

वात्रक एनीकट में नहाने गए चार बच्चों की डूबने से मौत, परिवार में पसरा मातम

डूंगरपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां धम्बोला थाना क्षेत्र के बड़ी गांव स्थित वात्रक एनीकट में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। एनीकट में नहाने गए छह बच्चे गहरे पानी में चले गए, जिनमें से चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन तथा उनकी फुफेरी बहन शामिल है। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिन्हें उपचार के लिए सीमलवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 10 बजे बड़ी गांव निवासी छह बच्चे एनीकट में नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान सभी बच्चे गहरे पानी में चले गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल बचाव अभियान चलाया और दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि चार बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई।

हादसे में बाबूसिंह डामोर की बड़ी बेटी हिना (24), पुत्र प्रतीक (20) और छोटी बेटी इशिता (15) की मौके पर ही मौत हो गई। इनके साथ नहाने गई फुफेरी बहन रौनक (20), पुत्री गौतम भाई परमार निवासी पालनपुर की भी डूबने से जान चली गई। घटना में घायल राजवीर पुत्र कोहरा डामोर तथा जयसिंह पुत्र सुरेश डामोर को ग्रामीणों ने समय रहते बाहर निकालकर सीमलवाड़ा अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

सूचना मिलते ही धम्बोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को कब्जे में लेकर सीमलवाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से बड़ी गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है।

असम में 472.51 करोड़ के मादक पदार्थों के विनष्टीकरण अभियान का शुभारंभ

एजेंसी

नलबाड़ी (असम)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने नलबाड़ी जिले के दौलाशाल स्थित 14वीं असम पुलिस बटालियन परिसर में राज्यव्यापी मादक पदार्थ विनष्टीकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत अगले 10 दिनों में 472.51 करोड़ रुपये मूल्य के जब्त मादक पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं रोड रोलर चलाकर असम पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा जब्त अवैध शराब को भी नष्ट किया। कार्यक्रम में राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुवा, बरखेत्री के विधायक नारायण डेका सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी

उपस्थित रहे। राज्य सरकार की नशा विरोधी मुहिम के तहत असम के सभी जिलों में भी इसी प्रकार के मादक पदार्थ विनष्टीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार 'नशामुक्त असम' के लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि असम पुलिस प्रतिवर्ष 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर रही है और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उनके अनुसार, पिछले पांच वर्षों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत लगभग 3,300 मामले दर्ज किए गए हैं तथा 3,227 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। डॉ. सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिली है। राज्य सरकार भविष्य में भी इस अभियान को और तेज करेगी तथा तस्करी में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रखेगी। दौलाशाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराए गए ड्रग इन्सिनरेटर की सहायता से हेरोइन, गांजा, कफ सिरप, टैबलेट, कैप्सूल, अफीम, मॉर्फीन, मेथामफेटामाइन, याबा टैबलेट, कोकीन, पोस्ता के पौधे और पॉपी स्ट्रॉ सहित विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों का पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जाएगा।

गुजरात विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने मंझालपुर सीट से भीखाभाई रबारी को उम्मीदवार बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा उपचुनाव के लिए मंझालपुर विधानसभा क्षेत्र (145) से भीखाभाई रबारी को पार्टी उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आधिकारिक पत्र जारी कर बताया कि यह निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अनुमोदन पर लिया गया है। पार्टी ने कहा कि भीखाभाई रबारी लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं और स्थानीय स्तर पर सक्रिय नेता के रूप में

काम कर रहे हैं। वडोदरा क्षेत्र में पार्टी की जड़ों को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका रही है। वह कई वर्षों से स्थानीय स्तर पर किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों के मुद्दों को उठाते रहे हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट ने आंकड़ों के साथ अफवाहों का किया खंडन, चढ़ावा मामले के बीच भी उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

एजेंसी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा मामले के बाद श्रद्धालुओं की संख्या कम होने की चर्चाओं के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आधिकारिक आंकड़े जारी कर इन दावों को खारिज किया। ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर में पहले की तरह बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और दर्शनार्थियों की संख्या में किसी तरह की कमी नहीं आई है। मंदिर ट्रस्ट ने पुलिस कंट्रोल रूम के आंकड़ों के आधार पर 21 जून से 3 जुलाई तक वर्ष 2025 और 2026 के श्रद्धालुओं की संख्या जारी की है। जारी आंकड़ों के अनुसार, कई दिनों में वर्ष 2026 में श्रद्धालुओं की संख्या 2025 की तुलना में अधिक दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, 21 जून 2026 को 94,419 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि 2025 में यह संख्या 81,303 थी। 24 जून को 84,124, 25 जून को 85,510, 26 जून को 97,603, 27 जून को 97,134 और 28 जून को सबसे अधिक 1,02,672 श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं 30 जून को 96,112, 1 जुलाई को 89,653, 2 जुलाई को 83,863 और 3 जुलाई

को 87,652 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।हालांकि, कुछ दिनों जैसे 22 जून (75,845), 23 जून (76,104), और 29 जून (84,102) को वर्ष 2025 की तुलना में संख्या कुछ कम रही, लेकिन अधिकांश दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक दर्ज की गई। ट्रस्ट का कहना है कि इन आधिकारिक आंकड़ों से साफ है कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था पहले की तरह मजबूत बनी हुई है। चढ़ावे मामले में हुई अनियमितताओं के बाद दर्शनार्थियों की संख्या में गिरावट आने की जो बातें सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैलाई जा रही थीं, वे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राज्यपाल ने लगाया सफेद चंदन का पौधा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वृक्षारोपण महाअभियान के तहत जन भवन परिसर में सफेद चंदन का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और भावी पीढ़ियों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदूषित पर्यावरण और अस्वस्थ जीवनशैली आज सबसे बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रकृति संरक्षण को जनआंदोलन बनाना होगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जन भवन की नक्षत्र वाटिका में सफेद चंदन का पौधा लगाया। इस दौरान जन भवन परिसर में कुल 29 चंदन के पौधे रोपे गए। पौधरोपण में जन भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ राजकीय बालगृह (बालिका), सिंधीखेड़ा की बच्चियों ने भी भागीदारी की। राज्यपाल ने कहा कि आज देश और दुनिया जिन पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वे प्रकृति के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैये का परिणाम हैं।

उन्होंने कहा कि दूषित जल, प्रदूषित वातावरण और अस्वस्थ जीवनशैली गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति संरक्षण और स्वस्थ जीवन पद्धति अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गृहिणियों से बाजार में मिलने वाले मिलावटी खाद्य पदार्थों के बजाय घर का शुद्ध और पौष्टिक भोजन अपनाने तथा बच्चों में भी स्वस्थ खान-पान की आदत विकसित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों के छात्रावासों में भी मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री नहीं लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

जोधपुर एयरपोर्ट का नवीन टर्मिनल हुआ संचालित, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम यात्री को किया रवाना

एजेंसी

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 4 जुलाई को राष्ट्र को समर्पित किए गए जोधपुर एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन से नियमित विमान सेवाओं का शुभारंभ हो गया। नवीन टर्मिनल के संचालन के प्रथम दिवस पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम उड़ान के यात्री चंद्रवीर सिंह को टिकट एवं स्वागत किट प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस अवसर पर नवीन टर्मिनल पर प्रथम उड़ान से आने वाले सभी यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लंगा-मांगणियार कलाकारों की मनमोहक लोक प्रस्तुतियों, बैंड बाजे की मंगलध्वनि तथा पुष्पगुच्छ के साथ यात्रियों का अभिनंदन किया गया। नवीन टर्मिनल परिसर में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण रहा। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने यात्रियों के साथ केक काटकर इस गौरवपूर्ण क्षण का उत्सव भी मनाया। मीडिया से संवाद करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र

सिंह शेखावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से जोधपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण एवं नवीन टर्मिनल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद आज यह संकल्प पूर्णता तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 4 जुलाई को लोकार्पित नवीन टर्मिनल से आज नियमित विमान सेवाओं का संचालन प्रारंभ होना जोधपुर एवं समूचे मारवाड़ क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन के अवसर पर किए गए वादे के अनुरूप 12 जुलाई से नियमित विमान सेवाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। सूर्योदय के साथ ही नवीन टर्मिनल से परिचालन शुरू होना इस बात का प्रतीक है कि जोधपुर अब आधुनिक नागरिक उड्डयन सुविधाओं के नए युग में प्रवेश कर चुका है।शेखावत ने कहा कि नवीन टर्मिनल से यात्रा करने वाले यात्रियों के उत्साह और संतोष को देखकर यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि जोधपुर आने और यहां से जाने वाले प्रत्येक यात्री को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ शहर की समृद्ध संस्कृति एवं आत्मीयता का अनुभव होगा। यह टर्मिनल जोधपुर की नई पहचान और बढ़ती विकास यात्रा का सशक्त प्रतीक बनेगा।उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में आज जोधपुर एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या दस गुना से अधिक बढ़ चुकी है तथा विमान परिचालन में भी लगभग दस गुना वृद्धि हुई है। आज जोधपुर देश के अधिकांश प्रमुख शहरों से हवाई संपर्क स्थापित कर चुका है तथा शीतकालीन पर्यटन सत्र के दौरान इसकी कनेक्टिविटी और अधिक व्यापक हो जाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र के निरंतर विस्तार के साथ आने वाले वर्षों में जोधपुर की हवाई संपर्क व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक होगी।

उत्तर प्रदेश में एक दिन में रोपे गए 35.27 करोड़ से अधिक पौधे

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने नया इतिहास रच दिया। 'एक पेड़ मां के नाम' थीम के अंतर्गत वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 में आज एक दिन में प्रदेशभर में 35,27,89,926 पौधरोपण हुए। यह सरकार द्वारा तय किए गए लक्ष्य 35 करोड़ से 27.89 लाख से अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया।

गोरखपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधरोपण महाभियान धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का महायज्ञ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश में भौतिक विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही वनाच्छादन का भी विस्तार हुआ है। पौधरोपण कर मुख्यमंत्री ने सेल्फी भी ली। जनसभा के मंच से मुख्यमंत्री ने 'उत्तर प्रदेश के नौ वर्ष की हरित गाथा' लघु फिल्म और 'वानिकी कैलेंडर' का विमोचन किया। उत्तर प्रदेश में एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के प्रति भी आभार जताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि 'माता भूमिः पुत्रोऽहं

पृथिव्याः' का सनातन मंत्र आज उत्तर प्रदेश की जनशक्ति का जीवंत संकल्प बन गया है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'नए उत्तर प्रदेश' ने एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है।

कर्मचारी कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, पदोन्नति में 2 वर्ष की छूट से हजारों कार्मिकों को मिलेगा लाभ : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ धरातल पर उतारने से ही सुशासन स्थापित होता है। इसके लिए सक्षम, प्रेरित और संतुष्ट कार्मिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार ने इसी सोच के अनुरूप कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही, सचिवालय की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, ताकि कार्मिकों का मनोबल बढ़ने के साथ शासन व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके। मुख्यमंत्री का राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी एवं सचिवालय कर्मचारी संघ ने पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन को लेकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिक सर्वोपरि विजन को राज्य सरकार शासन की कार्य-संस्कृति का आधार बनाकर आगे बढ़ा रही है। सचिवालय सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी निर्णयों का केंद्र है। ऐसे में हमारा हर निर्णय और प्रयास प्रदेश की 8 करोड़ जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाला

होना चाहिए। क्योंकि, प्रत्येक फाइल के पीछे किसी नागरिक की आशा, किसी किसान की उम्मीद, किसी युवा का भविष्य और किसी परिवार का विश्वास जुड़ा होता है। कर्मचारी 'विकसित राजस्थान-2047' के सारथी- उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी गुड गवर्नेंस की धुरी और विकसित राजस्थान-2047 के महत्वपूर्ण सारथी है। ऐसे में हमारी सरकार कर्मचारी हित में फैसले लेते हुए समयबद्ध और नियमित पदोन्नति दे रही है। इसी क्रम में कार्मिकों को पदोन्नति के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 और 2026-27 में निर्धारित अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है। इसमें प्रावधान किया गया है कि जिन कार्मिकों ने पिछले तीन वर्ष में इस छूट का लाभ नहीं लिया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा, इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन किए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाएं पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी केंद्र सरकार के अनुरूप ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही, 30 जून को सेवानिवृत्त राज्य कार्मिकों को नोशनल वेतन वृद्धि के अनुरूप पेंशन का प्रावधान किया किया गया है। वहीं, पेंशनर के 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता एवं कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आरजीएचएस के तहत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, जो 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी।

'विकसित भारत' के लक्ष्य को जनभागीदारी से साकार करेगा भाजपा संगठन : तरुण चुग

महाराष्ट्र के किसानों की कर्ज माफी पर चुग ने मुख्यमंत्री फडणवीस को दी बधाई, पंजाब सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के लक्ष्य को जनभागीदारी के माध्यम से साकार करने में भाजपा संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 'सेवा ही संगठन' की भावना लगातार मजबूत हो रही है। मीडिया से बातचीत में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से किसानों के लिए 36,585 करोड़ रुपये की कर्जमाफी योजना लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लाखों

किसानों को राहत देने वाला है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की किसान हितैषी नीतियों को दर्शाता है। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार की किसान हितैषी नीति का उदाहरण बताया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन श्री चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी का चुनावी वादा कब पूरा किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के किसान अब भी कर्ज और कृषि संकट का सामना कर रहे हैं, जबकि सरकार अपने वादों को पूरा करने में असफल रही है। श्री चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी का चुनावी वादा कब पूरा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब का किसान अब भी कर्ज और कृषि संकट से जूझ रहा है,जबकि सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।

बैठक से पहले चुग ने मुख्यमंत्री धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मुलाकात कर विकसित भारत के लक्ष्य, जनभागीदारी और संगठन को और सशक्त बनाने के मुद्दों पर चर्चा की। देहरादून में भाजपा की संगठनात्मक बैठक में चुग ने प्रदेश में चल रहे संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा की और आगामी कार्ययोजना पर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट और पूर्व सांसद जमयांग सेरिंग नामग्याल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

रायपुर में बोले देवकीनंदन ठाकुर, सनातन बोर्ड के गठन की मांग, संसद-विधानसभाओं में 50 सीटें आरक्षित करने का दिया सुझाव

एजेंसी

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब के हमर पहुना कार्यक्रम में प्रख्यात कथावाचक एवं आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर ने पत्रकारों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सनातन संस्कृति, शिक्षा, सामाजिक मूल्यों और समसामयिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सनातन बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि मंदिरों और गुरुकुलों के बेहतर संचालन तथा धर्म और समाजहित के कार्यों के लिए ऐसी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने राजनीतिक व्यवस्था पर भी अपनी राय रखते हुए कहा कि संसद और विधानसभाओं में धर्माचार्यों की भागीदारी बढ़नी चाहिए। इसके लिए उन्होंने धर्माचार्यों के लिए 50 सीटें आरक्षित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, गीता और महाभारत जैसे ग्रंथों से जोड़ने की जरूरत है। स्कूलों में केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाना है तो युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और संस्कारों से जोड़ना होगा। देवकीनंदन ठाकुर ने समाज में बढ़ती हिंसा और पारिवारिक विघटन पर चिंता जताते हुए कहा कि परिवार और शिक्षा

व्यवस्था को संस्कार आधारित बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने लिव-इन रिलेशनशिप का विरोध करते हुए पारिवारिक मूल्यों को मजबूत बनाने की बात कही। धर्मांतरण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा किसी पर धर्म परिवर्तन का दबाव नहीं बनाती, लेकिन विभिन्न माध्यमों से हो रहे धर्मांतरण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने गौ संरक्षण और भारतीय परंपराओं को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता बताई। राम मंदिर से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मौन को लेकर उनका व्यक्तिगत मानना है कि भविष्य में कोई बड़ा निर्णय सामने आ सकता है। कार्यक्रम में रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा सहित क्लब के पदाधिकारी और वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे। प्रेस क्लब की ओर से देवकीनंदन ठाकुर का पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग

काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा– टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच–कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। छ्स्न्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए – इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना

खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया – 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला – 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

- **ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे**

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

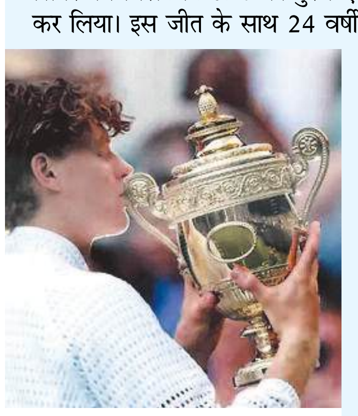

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत – द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ – रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

- **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** – पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर–1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना–इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना - इंग्लैंड - अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन - फ्रांस - दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका - 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

- **लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं**

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान – एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मुकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का

बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल – हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान – हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर : द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप : सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

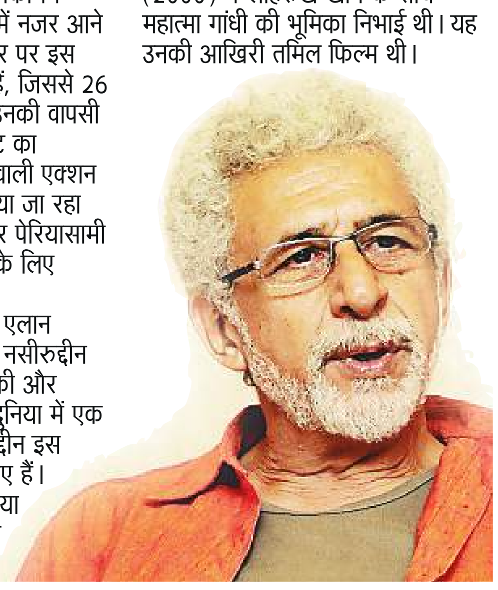

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।

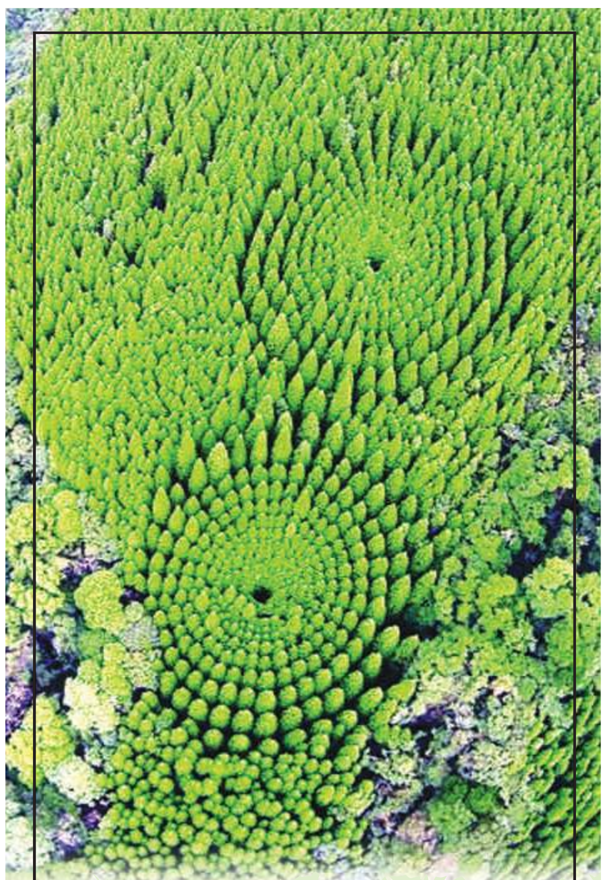

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुर्मेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते.

कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं.

बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'